हिन्दी सान्ध्य दैनिक जौनपुर,लखनऊ व भदोही से प्रकाशित

देश की उपासना

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

dku live

वर्ष : 01 अंक–194 : जौनपुर, बुधवार 05 अप्रैल 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज –4 मूल्य : 2 रूपया

पहले चयन आयोगों पर उठते थे सवाल करना पड़ता था आंदोलन –सीएम योगी

लखनऊ ब्यूरो : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2017 के पहले चयन आयोगों पर सवाल उठते थे, युवाओं को आंदोलन करना पड़ता था। चयन प्रक्रिया के पारदर्शी न होने की वजह से युवाओं को धरना–प्रदर्शन और आत्महत्या के लिए विवश होना पड़ता था। भाई–भतीजावाद का बोलबाला था। पैसे का लेनदेन होता था। कुछ लोगों के घरों से सूची बन कर जाती थी, जो योग्य नहीं होते थे उनको आयोग का अध्यक्ष बनाया जाता था। उन्होंने कहा कि आपकी पीढ़ी सौभाग्यशाली है कि आपने अपनी नौकरी के लिए इस सरकार के समय आवेदन किया, जिसमें पूरी ईमानदारी के साथ चयन प्रक्रिया को आगे बढ़ाया गया है। किसी भी स्तर पर सिफारिश की आवश्यकता महसूस नहीं हुई। यूपी में कार्य करना गर्व की बात सीएम योगी ने बुधवार को मिशन रोजगार के अंतर्गत उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग एवं उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा चयनित अभ्यर्थियों के नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने 13 से ज्यादा विभागों के चयनित हुए 795 अभ्यर्थियों को बधाई दी और कहा कि उत्तर प्रदेश में कार्य करना देश के किसी भी अधिकारी या कार्मिक के लिये गर्व की बात है। ये मान्यता है कि जिस अधिकारी या कार्मिक ने उत्तर प्रदेश के अंदर ईमानदारी से कार्य कर लिए वह देश और दुनिया के अंदर कहीं भी सफलता के नये झंडे गाड़ सकता है। यहां कार्य करने वाले कार्मिकों के बारे में यह धारणा इसलिए है क्योंकि यूपी देश की सबसे बड़ी आबादी का राज्य है। सरकार की कार्यपद्धति ने यूपी की छवि पर लगे सभी प्रश्नों का उत्तर दे दिया है सीएम योगी ने कहा कि 25 करोड़ की आबादी के बीच में शासन की योजनाओं को पूरी पारदर्शी तरीके से सभी तक पहुंचना एक बड़ा दायित्व है। उन्होंने कहा कि प्रशासन और उससे जुड़े हुए कार्मिक शासन और जनमानस के मध्य की महत्वपूर्ण कड़ी होते हैं। जितनी तत्परता और ईमानदारी के साथ यह सेतु का कार्य करते हुए अपने कर्तव्यों का निर्वहन करता है, शासन की छवि आम जनमानस के बीच उतनी ही अच्छी होती है। साथ ही शासकीय योजनाओं का लाभ आम जनमानस को उतनी ही तत्परता और पारदर्शी तरीके से मिलता हुआ दिखाई देता है। सीएम योगी ने कहा कि 2017 में मैंने कहा था कि यदि किसी ने युवाओं के जीवन के साथ खिलवाड़ किया तो उसको जेल के चक्कर काटने पड़ जाएंगे। उसे इस प्रकार की स्थिति में पहुंचाएंगे कि उसके परिवार का कोई भी व्यक्ति शासन की सेवाओं में आने का सपना नहीं देख पाएगा। आज सरकार की कार्यपद्धति ने यूपी की छवि पर लगे सभी प्रश्नों का उत्तर दे दिया है। सीएम योगी ने कहा कि विगत छह वर्ष के अंदर हमारी प्रशासनिक टीम ने शासन के साथ जनप्रतिनिधियों के साथ मिल कर के केंद्र और राज्य शासन की योजनाओं का शतप्रतिशत लाभ आम

जनमानस तक पहुंचाने का कार्य किया है और इसके परिणाम भी देखने को मिल रहे हैं। शासन और प्रशासन के कार्य से ही प्रदेश की धारणा बदलती है। जब आम जनमानस की धारणा बदली है तो देश और दुनिया में भी प्रदेश की छवि बदलने में समय नहीं लगता है। 32 हजार को मिल चुका है नियुक्ति पत्र मिशन रोजगार के तहत योगी सरकार प्रदेश के युवाओं को सरकारी और निजी क्षेत्र में नौकरी से लगातार जोड़ रही है। सरकार पिछले छह वर्ष में साढ़े पांच लाख से ज्यादा युवाओं को सरकारी नौकरी दे चुकी है। वहीं योगी 2.0 से अब तक की बात की जाए तो निष्पक्ष और पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से प्रदेश सरकार 32 हजार 436 अभ्यर्थियों को सरकारी नौकरी का नियुक्ति पत्र वितरित कर चुकी है। बोले अभ्यर्थी– पारदर्शी तरीके से हुआ चयन खाद्य एवं रसद विभाग में विपणन निरीक्षक के पद पर नियुक्त हुई बाराबंकी की नेहा वर्मा ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भर्ती प्रक्रिया को निष्पक्ष और पारदर्शी होने की वजह से ही हम लोगों का चयन हो पाया है। यही वजह है कि बड़ी संख्या में महिला अभ्यर्थी भी चयनित हो पाई हैं। उन्होंने कहा कि मैं अपना कार्य पूरी ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा से करूंगी। श्रम एवं सेवा योजन विभाग में चिकित्सा अधिकारी के पद पर नियुक्त हुए प्रतापगढ़ के डॉक्टर रवि सिंह ने कहा कि अपने दायित्व का पूरी निष्ठा से निर्वहन करूंगा। उन्होंने मुख्यमंत्री समेत पूरी सरकार को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया की वजह से ही आज हम लोग यहां हैं। उपभोक्ता संरक्षण एवं बाट माप विभाग में कनिष्ठ सहायक के पद पर नियुक्त हुईं अयोध्या की प्रतिमा शुक्ला ने कहा कि मिशन रोजगार के अंतर्गत हम चयनित हुए हैं। उन्होंने कहा कि यह भर्ती भी पिछली भर्तियों की तरह ही पूरी तरह से समयबद्ध, निष्पक्ष और पारदर्शी रही। उन्होंने कहा कि हमारे लिए सौभाग्य की बात है कि मुख्यमंत्री की मौजूदगी में हमें नियुक्ति पत्र प्राप्त हो रहा है। कार्यक्रम के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा, गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग लक्ष्मी नारायण चौधरी, श्रम एवं सेवायोजन समन्वय विभाग के मंत्री अनिल राजभर, प्राविधिक शिक्षा एवं उपभोक्ता मामले के मंत्री आशीष पटेल, आबकारी एवं मद्य निषेध के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नितिन अग्रवाल, रजिस्ट्रेशन, स्टाम्प एवं न्यायालय शुल्क के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रविंद्र जायसवाल, उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह समेत अन्य मौजूद थे।

ड्रग्स के धंधे पर रोक हेतु यूपी सरकार ने मांगी केंद्र से मदद : कोऑर्डिनेशन सेल बनाने का दिया सुझाव

लखनऊ ब्यूरो : अंतर्राज्यीय समन्वय की कमी से ड्रग्स के अवैध धंधे पर प्रभावी लगाम नहीं लग पा रही है। इस मामले में उत्तर प्रदेश सरकार ने केंद्र सरकार से मदद मांगी है। एक–दूसरे की सीमा से जुड़े राज्यों के बीच कोऑर्डिनेशन सेल बनाने का सुझाव भी दिया है। साथ ही कहा है कि विकसित किए जा रहे निदान पोर्टल से इस काम में काफी मदद मिल सकती है। भारत में करीब 40 लाख लोग ड्रग्स लेने के आदी हैं। इसमें मुख्य रूप से गांजा, हशीश, अफीम और हेरोइन शामिल है। कफ सीरप और दर्द निवारक दवाइयों आदि का भी नशा करने में इस्तेमाल किया जाता है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने भी अपने विभिन्न आदेशों में कहा है कि उत्तर प्रदेश में दूसरे राज्यों से ड्रग्स की तस्करी की जा रही है। इस पर नियंत्रण के लिए यह जरूरी है कि यूपी और अन्य राज्यों की पुलिस के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया जाए। उत्तर प्रदेश की सीमा कई राज्यों से लगती है, जहां बिहार, पश्चिमी बंगाल, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश से यह तस्करी होती है। यूपी सरकार का कहना है कि ऐसी दशा में यह आवश्यक है कि अपराधियों की गिरफ्तारी की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए। ड्रग्स की जहां से तस्करी शुरू होती है और जहां यह पहुंचती है, दोनों ही स्थानों के सरगनाओं पर प्रभावी कार्रवाई की आवश्यकता है। समन्वय से पाया जा सकता है समस्या पर काबू देखने में आया है कि यह तस्करी ट्रेन, ट्रक और छोटे वाहनों से की जाती है। इतना ही नहीं रास्ते में जगह–जगह इसे बांटते हुए आगे बढ़ा जाता है। इसलिए आपूर्ति के पूरे जखीरे की बरामदगी में मुश्किलें आती हैं। राज्यों के परस्पर समन्वय से इस समस्या पर काफी हद तक काबू पाया जा सकता है। वर्तमान में विभिन्न राज्यों के बीच इस संबंध में सूचनाओं के आदान–प्रदान का तंत्र कमजोर है। या तो विभिन्न राज्यों के संबंधित अधिकारियों के बीच नियमित संवाद नहीं है या फिर रिस्पॉन्स तत्काल नहीं मिल पाता है। एनसीबी करे समन्वय तंत्र के कामकाज की समीक्षा उत्तर प्रदेश सरकार ने सुझाव दिए हैं कि इस समस्या से निपटने के लिए सभी राज्यों की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) मुख्यालय के अंतर्गत अंतर्राज्यीय समन्वय सेल की स्थापना की जानी चाहिए। समय–समय पर विभिन्न राज्यों के एएनटीएफ प्रमुखों की आपस में बैठकें होनी चाहिए। इस काम में विकसित किए जा रहे नेशनल इंटीग्रेटेड डाटाबेस ऑन अरेस्टेड नार्को ऑफेंडर्स (निदान) पोर्टल काफी मददगार साबित हो सकता है। अंतर्राज्यीय समन्वय तंत्र के कामकाज की समीक्षा नॉरकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) के माध्यम से होनी चाहिए।

जिलाधिकारी कृष्णा करूणेश के आदेश को ताक पर रख धड़ल्ले से चल रही हैं भूसा बनाने वाली मशीन

गोरखपुर मण्डल प्रभारी आशुतोष चौधरी : खजनी क्षेत्र के खेतों में खड़ी फसल की आगजनी को देखते हुए जिलाधिकारी कृष्णा करूणेश ने जहां 15 अप्रैल तक स्ट्रा रीपर (भूसा बनाने वाली मशीन) पर रोक लगा दी है,वही संचालक जिलाधिकारी के आदेश को ताक पर रख तहसील क्षेत्र में धड़ल्ले से भूसा बनाने वाली मशीन चला रहे हैं। बताते चलें कि मंगलवार लगभग सुबह लगभ 10 बजे बिगही के दक्षिण व डेवड़ार तुला के उत्तर एवं टिकरिया नाथ सिंह के पश्चिम सिवान में एक नहीं दो–दो भुसा बनाने वाली मशीन खेतों में चलती देखी गयी।ग्राम पंचायत खजूरी के दक्षिण एवं भेउसा ग्राम पंचायत के भैसहिया गांव के उत्तर सिवान में खेतों भूसा बनाने वाली मशीन चल रही थी। सूत्र बताते हैं कि यह काम पुलिस व स्ट्रा रीपर संचालक

की साठ–गांठ हो रहा है। इस संबंध में उपजिलाधिकारी सिद्धार्थ पाठक ने कहा कि तहसील क्षेत्र के सभी थाना प्रभारियों एवं चौंकी इंचार्जों को निर्देश दिया गया है कि रोक के बावजूद अगर तहसील क्षेत्र खेतो में भूसा मशीन चलती दिखाई दें तो संचालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश जारी कर दिया गया है।

लोक निर्माण विभाग के मंत्री द्वारा 276 करोड़ की परियोजनाओं का किया गया लोकार्पण एवं शिलान्यास

रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव पाली–(हरदोई) : लोक निर्माण मंत्री जितिन प्रसाद ने मंगलवार को कस्बे की रामलीला मैदान पर कई सेतु व सड़कों को बनाये जाने के लिए आधार शिला रखी। इस दौरान आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि योगी सरकार में सबसे ज्यादा सेतु का निर्माण कराया गया है, साथ ही प्रदेश में सड़कों का जाल बिछाया गया। सड़कों का चौड़ीकरण भी किया गया है और किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों में गुंडों और माफियाओं का बोल बाला रहता था। जबकि योगी सरकार में गुंडे और माफिया प्रदेश छोड़ कर भाग रहे हैं। यह सब योगी सरकार में ही संभव है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार बिना किसी भेदभाव के सभी पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ दे रही है। कैबिनेट मंत्री जितिन प्रसाद ने कहा इस क्षेत्र में जो विकास कार्य किये जा रहे हैं। वह आपके क्षेत्र के विधायक माधवेन्द्र प्रताप सिंह की देन है। और उनकी मेहनत भी है। प्रदेश की सरकार ने नौजवानों को रोजगार देने का काम किया है। प्रदेश में नौजवान खुशहाल दिखाई दे रहा है। उन्होंने सभा में

ही अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि कार्य समय सीमा में पूरा किया जाये। अगर गुणवत्ता में कमी पायी गई तो संबंधित अधिकारी पर कार्यवाही की जायेगी।भाजपा जिलाध्यक्ष नीरज मिश्रा, सांसद जयप्रकाश, विधायक माधवेंद प्रताप सिंह'रानू' आदि लोगों ने भी जनसभा को संबोधित किया। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष शिवम तिवारी, पूर्व चेयरमैन कमलाकांत बाजपेयी, कुलदीप मिश्रा, श्याम सिंह, रामू अग्निहोत्री, अनुज मिश्रा, भाजपा नेता श्याम मोहन मिश्रा, अमित गुप्ता, रजनीश गुप्ता, आकाश गुप्ता, भाजपा कार्यकर्ताओं के अतिरिक्त काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

डॉ जाह्नवी श्रीवास्तव को मिला शिक्षा भूषण सम्मान

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : हिन्दी केंद्रीय विभाग ,त्रिभुवन विश्वविद्यालय कीर्तिपुर काठमान्डू, शिक्षक, शिक्षा विभाग, राम सुहाग तिलक कॉलेज ऑफ एजुकेशन जहानाबाद ,बिहार तथा हिमालिनी कृष्ण चंद्र मिश्र पब्लिकेशन काठमांडू के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन तीन और चार अप्रैल को किया गया। कार्यक्रम त्रिभुवन विश्वविद्यालय सिनास भवन के जनक सभागार में सम्पन्न हुआ। संगोष्ठी का विषय वर्तमान परिदृश्य में 'शिक्षा, साहित्य, संस्कृति और समाज की भूमिका था। इस संगोष्ठी में प्रतिभाग करने से वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय व्यावहारिक मनोविज्ञान के सहायक प्रोफेसर डॉक्टर जान्हवी श्रीवास्तव को शिक्षा भूषण सम्मान से सम्मानित किया गया। उन्होंने वैश्विक परिदृश्य संस्कृति और समाज की भूमिका को विस्तार से समझाया और बताया कि भारत की संस्कृति के अनुरूप किस तरह से समाज को संगठित किया गया। उन्होंने भारतीय संस्कृति के आधार पर समाज की संरचना की व्याख्या की और कहा कि

सैकड़ों वर्षो तक आक्रांताओं के रहने के बाद भी भारतीय समाज नहीं टूटा इसके मूल में भारतीय संस्कृति ही थी। डॉक्टर जाह्नवी श्रीवास्तव के शिक्षा भूषण सम्मान से सम्मानित होने पर विश्वविद्यालय के शिक्षक प्रो. अजय प्रताप सिंह, प्रो देवराज सिंह, प्रो राजेश शर्मा, प्रो.प्रदीप कुमार, डॉ राजकुमार, डॉ मनीष गुप्ता, डॉ प्रमोद कुमार, डॉ. मनीष प्रताप सिंह, डॉ रसिकेश, डॉ मनोज पांडेय, डॉ अन्नु त्यागी, डॉ मंगला प्रसाद, डॉ सुनील कुमार, डॉ दिब्येंदु मिश्र आदि ने बधाई दी है।

स्कूल चलो अभियान रैली एवं संचारी रोग नियंत्रण अभियान का हुआ शुभारंभ

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : विकासखंड सुजानगंज, जौनपुर में बेसिक शिक्षा अधिकारी डा0 गोरखनाथ पटेल व खंड शिक्षा अधिकारी अरविंद कुमार पाण्डेय की गरिमामयी उपस्थिति में कम्पोजिट विद्यालय–मतरी व प्राथमिक विद्यालय–मिश्रमऊ से सत्र–2023–24 के लिए स्कूल चलो अभियान का शुभारंभ हरी झंडी दिखाकर किया गया। इस अवसर पर बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा भिन्न–भिन्न मजरों एवं ईंट भट्ठों पर जाकर अभिभावकों को अपनी ऊर्जामयी उद्बोधन द्वारा बच्चों का शत–प्रतिशत नामांकन कराने व संचारी रोग नियंत्रण अभियान के प्रति जागरूक किया गया। इस अवसर पर प्रमोद कुमार सिंह, विवेक प्रकाश सिंह, विनोद कुमार पाल, अभिनव कुमार मिश्र, अतुल कुमार सिंह

एआरपी व अध्यक्ष प्राथमिक शिक्षक संघ अजय कुमार सिंह, चंद्र प्रकाश तिवारी, प्रभाकर शुक्ला, राजीव मणि त्रिपाठी, कौसेन अहमद, अरुण सिंह, रामअवध पाल आदि अध्यापकगण उपस्थित रहे।

पाठक बन्धुओं से अनुरोध

आप सभी से अनुरोध है कि ऑनलाइन समाचार पत्र पढ़नें हेतु हमारे निम्नांकित वेबसाइट **www.Desh ki upasana.com** का अधिक अधिक उपयोग करें–तथा हमारें यू–ट्यूब चैनल / पोर्टल - **dku live** सत्य एवं प्रमाणिक खबरों के लिए Like&Subscribe जरूर कीजिए।

–संपादक

कलश यात्रा के साथ प्रारम्भ हुई श्रीमद् भागवत कथा

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। आवास विकास परिषद की गोकुल ग्राम योजना प्रथम मुन्नू खेड़ा में हनुमान मंदिर से कलश यात्रा

पार्षद प्रत्याशी अमित यादव के नेतृत्व में प्रारंभ हुई जो क्षेत्र के विभिन्न मंदिरों का दर्शन करते हुए पुनः हनुमान मंदिर पर संपन्न हुई तत्पश्चात श्रीमद् भागवत कथा प्रारंभ हुई। कथा व्यास धर्मदूत जी महराज ने प्रथम दिवस गोकर्ण , धुंधकारी की कथा सुनाई। श्रीमद् भागवत कथा में आवास विकास कॉलोनी मुन्नू खेड़ा, हंस खेड़ा, डिप्टी खेड़ा , चुन्नू खेड़ा क्षेत्र के श्रद्धालुओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। हैदर गंज तृतीय वार्ड के पार्षद प्रत्याशी अमित यादव ने प्रसाद वितरण किया। यजमान जगदीश प्रसाद यादव और राजेश सिंह ने परिवार सहित पूजन अर्चन किया।अमित कुमार यादव, इंद्रेश सिंह और ईडब्ल्यूएस सेवा समिति लखनऊ के तमाम पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कर्नल रामेंद्र सिंह ने बच्चों को जीवनमूल्यों और शिक्षा पर दिए परामर्श एवं सुझाव

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। कर्नल रामेंद्र सिंह ने कहा कि जनरल सैल्यूट मेंटर्स डिफेंस एकेडमी इस मेंटरिंग जॉब में है, जिसमें हमने पिछले सात महीनों में एनडीए के लिए एसएसबी में पांच सफलताएं हासिल की हैं। हमने बहुत वरिष्ठ अधिकारियों सहित विभिन्न सामाजिक और आर्थिक पृष्ठभूमि के वार्डों के साथ बातचीत की है। विस्तृत विश्लेषण करने के बाद हम इस बिंदु पर पहुंचे हैं कि हमारी शिक्षा प्रणाली बच्चों को अपना करियर तय करने के लिए एक चौराहे पर छोड़ देती है। हमारे बच्चों की शिक्षा और करियर तय करने के लिए उनकी उचित काउंसलिंग की जरूरत है। काउंसिलिंग के लिए आदर्श रूप से तीन सप्ताह में तीन अलग–अलग दिनों में एक–एक घंटे की कम से कम तीन बैठकें होनी चाहिए। हम यहां दलजीत विहार कॉलोनी, सेक्टर–6ए, वृंदावन आवास योजना, लखनऊ के गेट नंबर 2 पर जीएसआर कॉम्प्लेक्स में हैं। काउंसलिंग एक आर्मी ऑफिसर वेटरन और एलुमनाई इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट लखनऊ द्वारा की जाती है। तो कक्षा 5वीं से बच्चों के लिए हमारी सेवाओं का बेझिझक उपयोग करें। हमारा संपर्क नंबरः 9919910205 / 9793843768 पर सम्पर्क करे।

माधौगंज थाना क्षेत्र के गौरा गांव में फंदे पर झूलता मिला नवविवाहिता का शव

हरदोई ब्यूरो अम्बरीष कुमार सक्सेना : माधौगंज थाना क्षेत्र के गौरा गांव में एक महिला का शव फांसी के फंदे पर लटकता मिला। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं मृतका की मां ने हत्या की आशंका जाहिर की

है। प्राप्त विवरण के अनुसार उन्नाव जनपद के बांगरमऊ निवासी मैना ने अपनी पुत्री लक्ष्मी देवी (22) की शादी डेढ़ वर्ष पहले माधौगंज थाना क्षेत्र के गौरा गांव निवासी सुजीत के साथ की थी। अपनी हैसियत के अनुसार दान दहेज भी दिया था। इसी बीच सुजीत और लक्ष्मी के मध्य दान दहेज को लेकर विवाद होता रहता था। बुधवार को खफा होकर लक्ष्मी ने घर के अंदर कमरे में साड़ी का फंदा बनाकर जान दे दी।सूचना पर मृतका की मां मैना देवी मौके पर पहुंची। मैना देवी ने हत्या की आशंका व्यक्त की है।इंस्पेक्टर सुब्रत त्रिपाठी ने बताया पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मामले की जांच की जाएगी।तहरीर मिलने पर अभियोग पंजीकृत कराया जाएगा।

facebook YouTube WhatsApp twitter Instagram

–सुविचार–

जिसनें प्रभु को अपना दिल दे दिया वह दुनियां से कभी उम्मीद नहीं करता।

–साभार ज्ञानामृत पत्रिका

OM SHANTI

सम्पादकीय

उत्तराखंड की प्राकृतिक संपदा और जीवन मूल्य

उत्तराखंड में जंगलों, घास के मैदानों और चुनिंदा स्थलों को पवित्र माना जाता है। आम मान्यताओं में से एक यह है कि देवता और पवित्र आत्माएं इन जंगलों में निवास करती हैं। इस प्रकार, इन परिदृश्यों को पवित्र उपवन या पवित्र स्थल कहा जाता है।

उत्तराखंड में जंगलों, घास के मैदानों और चुनिंदा स्थलों को पवित्र माना जाता है। आम मान्यताओं में से एक यह है कि देवता और पवित्र आत्माएं इन जंगलों में निवास करती हैं। इस प्रकार, इन परिदृश्यों को पवित्र उपवन या पवित्र स्थल कहा जाता है। इसके अलावा, कई पेड़, पौधे, झाड़ियां और घास पवित्र माने जाते हैं।

उत्तराखंड की दोनों प्रशासनिक इकाइयों– कुमाऊं और गढ़वाल में, औपचारिक उद्देश्य के लिए स्थानीय देवता को भूमि या जंगल का एक टुकड़ा समर्पित करने का एक समृद्ध सांस्कृतिक इतिहास है। इनमें से कई पवित्र उपवन मंदिरों या पवित्र तीर्थस्थलों के आसपास हैं।

चौदस, ब्यास, जौहर और दारमा, उत्तराखंड की उच्च अल्पाइन घाटियों में संरक्षण में पवित्र तत्वों को शामिल करने की आवश्यकता संसाधनों की कमी से जुड़ी है। इन घाटियों के गांव उस क्षेत्र में स्थित हैं, जहां पुनर्जनन बेहद धीमा है और संसाधनों के सावधानीपूर्वक प्रबंधन की आवश्यकता है।

उदाहरण के लिए, पवित्र वन सर्दियों के महीनों के दौरान आने वाले हिमस्खलन या पूरे वर्ष भूस्खलन से नीचे स्थित मंदिरों और गांवों की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। केवल मंदिर के मेलों और त्योहारों के दौरान, समुदाय को पवित्र वनों या परिदृश्यों से संसाधन लेने की अनुमति है।

दारमा घाटीः 'आलम' स्थापित करने की परंपरा

दारमा घाटी में, गांव दुग्तु के लोग 'आलम' स्थापित करने की परंपरा का पालन करते हैं। 'आलम' स्थानीय देवता का प्रतीक है। लोक परंपरा के अनुसार, 'आलम' हर घर के सामने के आंगन में अनुष्ठानिक रूप से स्थापित किया जाता है। ऐसा माना जाता है कि 'आलम' शुभ शकुन, शांति और समृद्धि लाता है। हर दो या तीन साल में पुराने 'आलम' को बदल दिया जाता है।

आलम को बदलने की अवधि अलग–अलग गांवों में अलग–अलग होती है। प्रकाश सिंह दुग्ताल बताते हैं, गांव दुग्तु के लोग जुलाई के महीने में हर दो साल में आलम बदलने की परंपरा का पालन करते हैं।

'आलम' एक स्थानीय पेड़ की प्रजाति 'वम्बालो सिंग' का तना है, जिसे ग्रामीण दुग्तु से आठ किलोमीटर दूर बालिंग गांव के पवित्र जंगल से लाते हैं। 'आलम' लाने का जुलूस शुरू होने से पहले पुरुष और महिला दोनों अपने पारंपरिक परिधान पहनते हैं। ढोल और दमाऊ की थाप पर ग्रामीण लोकनृत्य करते हैं। गांव की एक निश्चित सीमा के बाद, महिलाएं 'चक्ति' नामक स्थानीय मादक पेय बनाने के लिए वापस लौटती हैं, जबकि पुरुष बालिंग जंगल में जाते हैं।

दुग्ताल बताते हैं–

यह ध्यान रखना दिलचस्प है कि किसी भी पेड़ को 'आलम' नहीं बनाया जा सकता। पेड़ का चयन इस बात को ध्यान में रखते हुए किया जाता है कि तना सीधा हो, ऊपर के पत्ते और शाखाएं सम हों। स्थानीय बोलचाल में, पेड़ को सुंदर दिखना चाहिए। एक बार पेड़ की पहचान हो जाने के बाद, सफेद कच्चे चावल (पुच्छुम) को पेड़ की पूजा करने के लिए हवा में उछाला जाता है। अगर किसी तरह से कुल्हाड़ी पेड़ को छूती है, तो आलम बनाने के लिए उस पेड़ को लेना अनिवार्य हो जाता है।

आलम बनाने के लिए पेड़ों की पसंद उपलब्धता के साथ बदलती रहती है। उदाहरण के लिए, दुग्तु के ऊपर के गांव उन पेड़ों का उपयोग कर सकते हैं, जिन्हें हमारे पूर्वजों ने पवित्र माना है। 'आलम' बनाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले अन्य पेड़ हैं 'सल्दी सिंग' (देवदार), बिल सिंग (जूनिपेरस इंडिका), स्यालपा (बांज), और श्या सिंग (भोजपत्र या बुटिलिस)। दुग्तु गांव की स्थानीय बोली में 'सिंग' का मतलब लकड़ी होता है।

आलम को वापस लाते समय कई सावधानियां बरती जाती हैं। आलम टूटा–फूटा, मुड़ा–तुड़ा नहीं होना चाहिए और न ही उसे लांघना चाहिए।

जौहर घाटीः ''सिङ्ग–गु–ल्हा'

जनपद पिथौरागढ़ की मुनस्यारी तहसील के मल्ला जौहर निवासी सेवानिवृत्त प्रशासनिक अधिकारी सुरेन्द्र सिंह पांगती के अनुसार क्षेत्र के सभी 14 राजस्व ग्रामों के अपने–अपने पवित्र वन हैं।

स्थानीय बोलचाल में, इन पवित्र उपवनों या जंगलों को 'सिङ्ग–गु–ल्हा' के नाम से जाना जाता है। शब्द ''सिङ्ग–गु–ल्हा' तिब्बती भाषा में निहित है, जिसका अर्थ है सिङ्ग=जंगल/लकड़ीय गु=संरक्षित वनय ल्हा=देवत्व या भगवान के नाम पर।

उदाहरण के लिए, रालम गांव के जंगल में एक विशाल 'सिङ्ग–गु–ल्हा' था, लेकिन पलायन के साथ, ये गांव अब भूतिया हो गए हैं। जौहर घाटी का अंतिम गांव मिलम है। स्नोलाइन (मिलम ग्लेशियर) से ठीक पहले, गांव मर्तोली में एक बर्च जंगल है। यहीं पर नंदा देवी का प्रसिद्ध मंदिर भी स्थित है।

वर्ष में एक बार जुलाई–अगस्त के महीने में नंदा–अष्टमी के अवसर पर मेले का आयोजन किया जाता है। राजकीय फूल, 'ब्रह्मकमल', मर्तोली के ऊपर जंगल में उगता है। केवल त्योहार के समय में, स्थानीय लोगों को देवी को चढ़ाए जाने वाले पके फूलों को तोड़ने की अनुमति होती है।

इन पवित्र वनों के बारे में कई लोक कथाएं और वर्जनाएं प्रचलित हैं। ऐसा माना जाता है कि जो कोई भी इन जंगलों में प्रवेश करता है या इन वनों की वनस्पतियों और जीवों को नुकसान पहुंचाता है, वह देवता के क्रोधा को आमंत्रित करता है।

एक शिकारी के बारे में ऐसी ही एक कहानी मेरी मां ने सुनाई थी, पांगती बताते हैं–

उसने गलती से एक 'खासी' (देवी नंदा को चढ़ाया गया बकरा) मार डाला। शिकारी उसी दिन अपने घर लौटने से पहले ही मर गया।

हल्द्वानी स्थित शोधकर्ता चंद्र सिंह नेगी बताते हैं कि गर्भवती और मासिक धर्म वाली महिलाओं को पवित्र जंगलों या स्थलों में प्रवेश करने की अनुमति नहीं है। इनमें से कई पवित्र वन जंगल ताजे पानी के स्रोत हैं। नेगी को लगता है कि ऐसी स्थिति में महिलाओं को रोकने का कारण हाइजीन के उद्देश्य से हो सकता है।

ब्यांस घाटी

अल्मोड़ा स्थित जी.बी. पंत नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन एनवायरनमेंट ने 2017 में एक पेपर प्रकाशित किया था, जिसमें ब्यांस घाटी में प्रथाओं का दस्तावेजीकरण किया गया था। पवित्र वनों में प्रवेश प्रतिबंधित है। ग्रामीण पेड़ों को काटने से परहेज करते हैं, लेकिन जंगल से चारे और ईंधन की लकड़ी के लिए गिरी हुई पत्तियों या टहनियों को इकट्ठा कर सकते हैं।

निष्कर्ष जर्नल ऑफ एनवायर्नमेंटल प्लानिंग एंड मैनेजमेंट में प्रकाशित हुए थे। इसके अलावा, जिन पेड़ों पर सफेद या लाल झंडे लगे होते हैं, उन्हें काटा नहीं जाता।

ये लेखक के अपनें विचार हैं।

जीवन में प्रेम भाईचारा संबंधों में सद्भाव लाएं तभी महावीर जयंती की होगी सार्थकता –अम्बरीष

हरदोई ब्यूरो अम्बरीष कुमार सक्सेना : शिव सत्संग मण्डल के केन्द्रीय संयोजक अम्बरीष कुमार सक्सेना के अनुसार महावीर जयंती जैन समुदाय का विशेष पर्व होता है। इस जयंती को महावीर स्वामी के जन्म के उत्सव के रूप में मनाया जाता है। महावीर स्वामी जैन धर्म के 24वें और अंतिम तीर्थंकर थे। महावीर ने पूरे जगत के समक्ष जो अहिंसा का सबसे बड़ा संदेश दिया है।उसका सम्मान पूरा जगत करता है। इससे यह सिद्ध होता है कि प्रेम से, सांप्रदायिक सद्भाव से और मिलजुलकर आगे बढ़ने से ही जीवन में सुख आ सकता है। जिओ और जीने दो यह सिद्धांत भगवान महावीर ने स्थापित किया था। इसी सिद्धांथ पर संसार चल रहा है। महावीर स्वामी भले ही जैन समाज के 24वें तीर्थकर हो सकते हैं परंतु उन्होंने मानवता के कल्याण के लिए ,परोपकार का जो उदाहरण दिया उसे पूरा संसार आत्मसात कर रहा है। समाज के कल्याण के लिए महावीर स्वामी ने महज 30 वर्ष की आयु में ही संन्यास ले लिया था। चौत्र माह की शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी को महावीर जी की जयंती मनाईघ्जाती है। जैन समाज के सिद्धांतों की बात की जाए तो ये सब जीवन के उन पांच बिंदुओं में से है जिसकी हर व्यक्ति को, हर परिवार को, हर समाज को और प्रत्येक राष्ट्र के साथ–साथ समूचे विश्व को आत्मसात करने की आवश्यकता है।जैन धर्म नहीं, बल्कि जीवन जीने की पद्धति है। आज समय की जरूरत भी यही है कि हर व्यक्ति जैन समाज की जीवन पद्धति को आत्मसात करे। इनके जीवन के पांच सिद्धांतों सत्य, अहिंसा, अस्तेय, अपरिग्रह और ब्रह्मचर्य को पंचशील सिद्धांतों के रूप में देखा जाता है।धार्मिक आदर्श/ जीवन के लिए इनका बहुत महत्व है।राजनीतिक, सामाजिक या आर्थिक जीवन में भी कोईछ्मी इन सभी सिद्धांतों को अगर अपने जीवन में यदि उतार ले तो समस्याएं खत्म हो सकती हैं। तीर्थंकर महावीर के पंचशील सिद्धांतों में सर्वप्रथम है सत्य। जीवन में हर किसी को सत्य बोलना चाहिए।अगर हम जीवन में सत्य की राह का अनुसरण करें तो हमें कोई समस्या नहीं आ सकती। दूसरा पंचशील सिद्धांत जो महावीर स्वामी ने दिया वह अहिंसा है। हर हालत में हमें हिंसा से दूर रहना है। पशु–पक्षियों या प्रकृति के किसी भी जीव के प्रति हिंसा तो दूर हिंसा की भावना भी हमारे हृदय में नहीं होनी चाहिए। प्रेम का यह संदेश सचमुच सुखी जीवन का आधार है। तीसरा संदेश महावीर ने अपरिग्रह का दिया है। अर्थात आवश्यकता से अधिक किसी भी वस्तु का हमें संचय नहीं करना चाहिए। अर्थात हमें त्यागशील होना चाहिए। आज पद, प्रतिष्ठा और कुर्सी को लेकर लोग अपने–अपने तर्क देकर द्वंद की बात करते हैं लेकिन मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम ने सिंहासन का त्याग कर वनगमन स्वीकार किया था। इसी तरह ब्रह्मचर्य अर्थात व्यक्ति को बिलासिता से दूर रहकर ब्रह्मचर्य के नियमों का पालन करना चाहिए। यह अपने आप में एक आदर्श संदेश है।जिस क्षमा का महावीर स्वामी ने उल्लेख किया है, इसका महत्व बहुत बड़ा है। कहा गया है क्षमा वीरस्य भूषणमः अर्थात जो लोग क्षमा करते हैं वे वीर होते हैं या यह भी कह सकते हैं कि बहादुर लोगों का सबसे बड़ा गहना क्षमा है।आज वैश्विक शांति के लिए दुनिया को क्षमा के मार्ग पर चलना चाहिए। तीर्थंकर महावीर ने कठोर तप करने के बाद अपनी इंद्रियों पर विजय पा ली थी। अपनी इंद्रियों को नियंत्रित करके रखना और दूसरो के भले के लिए तैयार रहना, यह एक परोपकार की भावना है जिसके युगपुरुष महावीर हैं। जीवन में प्रेम, भाईचारा, संबंधों में सद्भाव बहुत जरूरी है।महावीर स्वामी से यही संदेश हमें महावीर जयंती पर लेना है। तभी 2621 वीं महावीर जयंती की सार्थकता है।

14 विकास खंडों में ग्राम पंचायत अधिकारी संघ की इकाइयों का हुआ गठन

जौनपुर सिटी क्राईम रिपार्टर अनुरोग श्रीवास्तव : बुधवार को पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुसार जनपद में उत्तर प्रदेश ग्राम पंचायत अधिकारी संघ की 14 विकास खंड इकाइयों का गठन संपन्न हुआ। आज विकासखंड सिरकोनी में अध्यक्ष डॉ प्रदीप सिंह एवं मंत्री मो. साजिद अंसारी, बरसठी में अध्यक्ष अजय कुमार मिश्र एवं मंत्री प्रदीप कुमार, सुईथाकला में अध्यक्ष हरीशचंद्र यादव एवं मंत्री जयप्रकाश मौर्य, रामनगर में अध्यक्ष त्रिभुवन सिंह यादव एवं मंत्री मनोज कुमार,मुंगरा बादशाहपुर में अध्यक्ष आशीष यादव एवं मंत्री डॉ हरीश प्रताप सिंह, खुटहन में अध्यक्ष संजय यादव एवं मंत्री अखिलेश वर्मा,करंजा कला में अध्यक्ष नागेंद्र कुमार यादव एवं मंत्री नवनीत सिंह,शाहगंज में अध्यक्ष लक्ष्मीचंद एवं मंत्री नरेंद्र कुमार,मड़ियाहूं में अध्यक्ष विश्राम बिंद एवं मंत्री कृष्णपाल सिंह यादव, महाराजगंज में अध्यक्ष श्याम बहादुर यादव एवं मंत्री विकास यादव,रामपुर में अध्यक्ष आकाश यादव मंत्री दीपक सरोज, मुफ्तीगंज में अध्यक्ष प्रवीण सिंह एवं मंत्री धर्मराज यादव,मछली शहर में अध्यक्ष सुशील कुमार उपाध्याय एवं मंत्री सौरभ यादव तथा डोभी में अध्यक्ष अजीत कुमार तथा मंत्री सुशील कुमार निर्विरोध निर्वाचित हुये। समस्त विकास खंडों में उपाध्यक्ष, कोषाध्यक्ष एवं संप्रेक्षक सहित समस्त निर्वाचित कार्यकारिणी को संबंधित

विकास खंडों के खंड विकास अधिकारी,सहायक विकास अधिकारी पंचायत या विकासखंड के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलायी। समस्त विकास खंडों की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का विकासखंड में उपस्थित कर्मचारियों ने माला फूल एवं जयघोष के साथ स्वागत किया। विकासखंड सिरकोनी में उत्तर प्रदेश ग्राम पंचायत अधिकारी संघ के जिलाध्यक्ष डॉ प्रदीप सिंह ने कहा कि अब तक 20 विकास खंडों मे विकासखंड इकाइयों का पुनर्गठन संघ के संविधान के अनुरूप हो चुका है तथा जनपद स्तरीय द्विवार्षिक अधिवेशन 09 अप्रैल को प्रस्तावित है जिसमें केंद्रीय पर्यवेक्षक की उपस्थिति में जनपद स्तरीय कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा।

निजी डॉक्टरों की रही हड़ताल : मरीज दिन भर रहे बेहाल : ओपीडी–इमरजेंसी सेवाएं रहीं ठप

दिल्ली ब्यूरो : राजस्थान में लागू हुए स्वास्थ्य का अधिकार विधेयक (राइट टू हेल्थ) के विरोध में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के आह्वान पर मंगलवार को निजी क्षेत्र के डॉक्टर दिन भर हड़ताल पर रहे। सुबह छह से शाम छह बजे तक निजी अस्पतालों में ओपीडी व इमरजेंसी सेवाएं बंद रहीं। निजी अस्पतालों की ओपीडी और इमरजेंसी में आए मरीज भटकते रहे। जिन्हें तत्काल उपचार चाहिए था, वह सरकारी अस्पतालों में पहुंचे। वहां पहले से डॉक्टरों की कमी के कारण घंटों के इंतजार के बाद उन्हें उपचार मिला। आईएमए के आह्वान पर सुबह छह बजे से ही डॉक्टर हड़ताल पर चले गए थे। जो मरीज पहले से ही इन अस्पतालों भर्ती थे, सिर्फ उन्हीं को उपचार दिया जाता रहा। नये आने वाले मरीजों को उपचार नहीं मिल पा रहा था। सुबह दस बजे सभी डॉक्टर देवत्रय अस्पताल के सामने स्थित गेस्ट हाउस में एकत्रित हुए, जहां बैठक हुई। इस दौरान राजस्थान के हड़ताली डॉक्टरों का समर्थन किया गया। आईएमए अध्यक्ष डा.आलोक कुलश्रेष्ठ ने बताया कि यह विधेयक संविधान की धारा 21 के अंतर्गत डॉक्टर्स को राइट टू लिव अधिकार से वंचित करने का प्रयास है। आमजन को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी है, लेकिन सरकार इससे पल्ला झाड़ रही है। जबरन प्राइवेट डॉक्टरों पर सबकुछ थोपना चाह रही है। इस विधेयक से संबंधित कमेटियों में निजी डॉक्टरों को शामिल नहीं किया जाना दुर्भाग्यपूर्ण है। आईएमए के सचिव डॉ. अनूप कुमार ने बताया कि विधेयक में बिना सुनवाई के सजा का प्रावधान है। इमरजेंसी की कोई परिभाषा नहीं है। कोई भी डॉक्टर किसी का भी उपचार करेगा, यह किसी भी तरह से ब्यवाहरिक नहीं है। बिधेयक में संशोधन किया जाना चाहिए। ये पूरी तरह से चुनावी विधेयक है। कोषाध्यक्ष डॉ. आयुष ने बताया कि आईएमए का मानना है कि मुफ्त का कोई भी सिस्टम स्थायी नहीं होता है। मीडिया प्रभारी डॉ प्रदीप बंसल ने बताया कि इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के सभी सदस्य राजस्थान के निजी डॉक्टरों के साथ हैं। आज सांकेतिक रूप से काम बंद कर हड़ताल कर रहे हैं। जरूरत हुई तो यह आंदोलन आगे बढ़ेगा। इस मौके पर डॉ. एसपी सिंह, डॉ. यूएस वार्ष्णेय, डा.मनोज मित्तल, डॉ. जयंत शर्मा, डॉ. राजीव वर्ष्णेय, डॉ. अभिषेक सिंह, डॉ. भरत, डॉ. लवनीश, डॉ. विभव वार्ष्णेय, डॉ. सुरभि, डॉ. रश्मि, डॉ. नेहा, डॉ. निखिल, डॉ. सुवेक, डॉ. जॉली, डॉ. उषा सिंहल, डॉ. केसी सिंहल, डॉ. रवि सूद, डॉ. मेजर गौरव, डॉ. सुमित सिंहल, डॉ. पी के शर्मा, डा.आशा राठी, डॉ. विजयपाल आदि थे। हड़ताल थमने का इंतजार करते रहे मरीज निजी नर्सिंग होम और अस्पतालों के बाहर ओपीडी के नियत समय पर मरीजों का आना शुरू हो गया था, मगर जब उन्हें पता चला कि हड़ताल है तो वह हैरान रह गए। मरीज और उनके तीमारदार घंटों तक इस इंतजार में रहे कि शायद कुछ देर बाद हड़ताल खत्म हो जाए, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। शाम छह बजे के बाद सेवाएं शुरू होने तक मरीज इंतजार में या तो बैठे रहे या सरकारी अस्पतालों में पहुंच गए। जो दूरदराज से आए थे, वे शाम तक भटकते रहे। इमरजेंसी सेवा वाले मरीज पहुंचे सरकारी अस्पताल इस हड़ताल का असर इमरजेंसी सेवा वाले मरीजों पर अधिक दिखाई दिया। जिन मरीजों को इमरजेंसी उपचार की आवश्यकता थी, उन्हें हड़ताल के चलते परिजन जिला अस्पताल, दीनदयाल और मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे। वहां उन्हें उपचार दिया गया। हालांकि यहां उपचार लेने में खासी परेशानी हुई। मरीज परेशान होते रहे और तीमारदार उन्हें देखकर बिलखते रहे। सरकारी अस्पतालों में हाफ डे बढ़ाई परेशानी मंगलवार को महावीर जयंती का अवकाश होने के कारण जिला अस्पताल व दीनदयाल की ओपीडी में आधे दिन तक काम हुआ। सुबह आठ बजे से शुरू हुई ओपीडी दो बजे के बजाय ग्यारह बजे बंद कर हो गई। इससे मरीज खासे परेशान रहे, क्योंकि दोनों अस्पतालों की ओपीडी पर सामान्य दिनों से कहीं अधिक बोझ था। सामान्य दिनों में यहां एक से डेढ़ हजार मरीज आते हैं। मंगलवार को सुबह से ही भीड़ का आलम था और दोनों अस्पतालों की ओपीडी में दो दो हजार करीब मरीज थे। यहां चूंकि डॉक्टरों की समस्या पहले से है। इसलिए मरीजों को घंटों इंतजार के बाद उपचार मिल सका। ओपीडी बंद होने पर मारामारी के हालात बने तो दोनों अस्पतालों में चिकित्सा अधीक्षकों के दखल पर मरीजों को इमरजेंसी वार्ड में देखा गया।

डा. भरत राज सिह द्वारा एक और लिखित पुस्तक 'योग विज्ञान' का विमोचन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इण्डिया), यू0पी0 स्टेट सेंटर, लखनऊ और स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज लखनऊ (एमएमएस) के द्वारा आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में डा. भरत राज सिह द्वारा अध्यात्म पर लिखित चौथी पुस्तक 'योग विज्ञान' का विमोचन किया गया । इसके साथ वौदिक विज्ञान केंद्र, एस.एम.एस. के गौरवमीय इतिहास में उनकी एक और उपलब्धि दर्ज हुई । इसके सह–लेखक श्री सतीश कुमार सिह, अध्यक्ष, एस.एम.एस. और डा. चन्द्र मौलि द्विवेदी ने अपने–अपने अध्यात्मिक ज्ञान को उल्लेख किया । डा. सिह ने योग विज्ञान पुस्तक के माध्यम से पाठकों को अवगत कराया कि योग भारतीय ज्ञान की पांच हजार वर्ष पुरानी शैली है, जिसकी उत्पत्ति त्रेता युग में वेदव्यास द्वारा रचित वेद से हुई । यह भी बताया कि सनातन धर्म में 4–वेद, 18–पुराण व 108–उपनिषद ग्रंथ हैं । योग की परिभाषा इसी वेद में उल्लिखित है । तदोपरांत महर्षि पतंजलि के योगसूत्र से सही तरह से जीवन–जीने के विज्ञान को उद्धरित किया जिसमें योगसूत्र को राजयोग या अष्टांग योग कहा जाता है । उक्त आठ अंगों में ही सभी तरह के योग का समावेश हो जाता है । भौतिक शरीर में योग पद्धति से मुद्राओ, वंध व चक्रों के जागृत करने से स्वास्थ्य लाभ मिलता है । इस पुस्तक में आसान तरीके से मुद्रा, वंध और मूलाधार चक्र से सहस्रार चक्र तक क्रिया के

माध्यम से महत्वपूर्ण प्राण ऊर्जा का संचार कर जीवन को सदाचारी कैसे बनायाँ जाय, बताया गया है । इस पुस्तक का विमोचन इं0 आर0के0त्रिवेदी पूर्व अध्यक्ष, आईईआई, यूपी स्टेट सेंटर, लखनऊ, मुख्य अतिथि डॉ0 आर0के0सिंह तकनीकी सलाहाकार, उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, विशिष्ट अतिथि, डॉ0 ज्योत्सना सिंह, निदेशक, सेंटर फॉर एक्सीलेंस रिन्यूएबल एनर्जी, लखनऊ विश्वविद्यालय, डॉ0 पी0के0भारती, विभागाध्यक्ष मैकेनिकल इंजीनियरिंग, इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, लखनऊ, प्रो0 (डॉ0) मनोज मेहरोत्रा, निदेशक, डॉ0 भरत राज सिंह, महानिदेशक (तकनीकी), तथा सह–निदेशक , डा. धर्मेंद्र सिंह, एस0एम0एस0, लखनऊ और डा. जसवंत सिह , मानद सचिव, आईईआई, यूपी स्टेट सेंटर, लखनऊ, ने किया । इस अवसर पर स्कूल ऑफ मैनेजमेन्ट साइन्सेज के सचिव व कार्यकारी अधिकारी, श्री शरद सिंह ने संस्थान की इस उपलब्धि हेतु प्रख्यात–शिक्षाविद डा0 सिंह को साधुवाद देते हुये उनकी शिक्षा जगत में इस अद्वितीय योगदान की सरहना भी की ।

निकाय चुनाव में मुस्लिम–दलित समीकरण साधना बसपा के लिए बना चुनौती

लखनऊ ब्यूरो : शहरी निकाय चुनाव में बसपा दलित–मुस्लिम समीकरण बनाने की कोशिश में लगी है। पर, यह उसके लिए आसान नजर नहीं आ रहा है। गांव चलो अभियान में बसपा ने इसी समीकरण पर मुख्य फोकस किया था, पर इसका ऐसा सार्थक परिणाम नहीं निकल पाया जिसकी बसपा सुप्रीमो मायावती को उम्मीद थी। हालांकि इससे गांवों में बसपा ने अपना आधार मजबूत करने में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी और इसमें कुछ लोगों को जोड़ा भी गया। ऐसे में सभी कोऑर्डिनेटरों से कहा गया है कि जिन सीटों पर दलित और मुस्लिम मिलकर जीत हासिल कर सकते हों, वहां दोनों को ही बसपा से जोड़ने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा दिया जाए। इसी समीकरण के साधने वाले उम्मीदवार चुने जाएं। दरअसल बसपा के लिए विधानसभा चुनाव 2022 बेहद खराब रहा। इस चुनाव में बसपा से मुस्लिम वोटर तो कटे ही, दलित भी छिटके। यह स्थिति तब थी जब इस चुनाव में बसपा ने 60 सीटों पर मुस्लिम उम्मीदवारों को चुनावी रण में उतारा था। इनमें से एक भी उम्मीदवार नहीं जीत पाया। इसका मुख्य कारण मुस्लिम वोट बैंक का बड़ा हिस्सा सपा की ओर जाना माना गया। पूरे प्रदेश में ही बसपा को एकमात्र सीट मिली। अब भी मुसलमानों का झुकाव समाजवादी पार्टी की तरफ ज्यादा नजर आ रहा है। अब शहरी निकाय चुनाव में बसपा खास तैयारी कर रही है। प्रदेश में कुल 17 नगर निगम, 199 नगर पालिका परिषद और 544 नगर पंचायतों में चुनाव हो रहा है। इसके लिए बसपा ने फिर से मुस्लिमों को जोड़ने की आस लगाई है। कोआर्डिनेटरों से कहा गया है कि मुस्लिमों को यह समझाया जाए कि दलित मुस्लिम मिलकर ही भाजपा की राह रोक सकते हैं। इसके लिए गांव चलो अभियान शुरू किया गया था, जिसमें मुस्लिमों को जोड़ने के लिए कैडर कैंप लगाए गए। लगातार कैंप लगे, पर उसका बड़ा लाभ बसपा को मिल जाएगा, इसे लेकर अभी बसपा थिंक टैंक ही मुतमइन नहीं हैं। यदि पिछले चुनाव को देखें तो बसपा ने दो नगर

निगम की सीटें मेरठ और अलीगढ़ जीत ली थीं। साथ ही 29 नगर पालिका अध्यक्ष और 45 नगर पंचायत अध्यक्ष पदों पर बसपा के उम्मीदवार जीत गए थे। बसपा चाह रही है कि इस बार यह ग्राफ बढ़ाया जाए। हालांकि इसे बचाकर रखना ही बसपा के लिए बड़ी चुनौती मानी जा रही है। मुस्लिम नेताओं को जोड़ने की मशक्कत मायावती ने हाल ही में मुस्लिम समाज के कई नेताओं को बसपा से जोड़ा है। इनमें पश्चिमी उप्र से इमरान मसूद को समाजवादी पार्टी से बसपा में शामिल कराया गया है। साथ ही उन्हें पश्चिमी उप्र में मुस्लिमों को जोड़ने की जिम्मेदारी दी गई है। एआईएमआईएम से भी कुछ लोगों को जोड़ा गया है। माफिया अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता भी बसपा में हैं। हालांकि वह उमेशपाल हत्याकांड में नामजद होने के कारण फरार हैं। इन्हें प्रयागराज से बसपा ने महापौर पद का उम्मीदवार घोषित किया था। अब परिस्थितियां सही न होने के कारण माना जा रहा है कि उन्हें चुनाव नहीं लड़ाया जाएगा पर बसपा अभी खुलकर यह घोषणा ही नहीं कर पा रही है। कारण यही है कि मुस्लिमों में कहीं इसका गलत संदेश न चला जाए। फिर दांव खेल सकती बसपा बसपा विभिन्न सीटों पर फिर से मुस्लिम कार्ड खेल सकती है। जिन सीटों पर दलित और मुस्लिम ज्यादा हैं वहां इसकी मशक्कत की जा रही है। पिछले चुनाव में महापौर की दो सीटें बसपा जीती तो दो सीटों पर दूसरे स्थान पर रही थी। चूंकि अलीगढ़ में तो उनका मुस्लिम प्रत्याशी उतारने का फार्मूला सफल भी रहा था। इसी तरह से आगरा और झांसी में बसपा ने तगड़ा मुकाबला किया था। अब इसी तरह से नगर पालिका परिषद और नगर पंचायत की विभिन्न सीटों पर बसपा यही कार्ड खेलने की तैयारी कर रही है।

विद्यारम्भ संस्कार के साथ सेंट जोसेफ कालेज में हुआ कक्षाओं का शुभारंभ

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ. बच्चों को अपनी प्राचीन भारतीय संस्कृति से परिचित कराना भी शिक्षा का उद्देश्य है। मनुष्य के सोलह संस्कारों में विद्याआरंभ संस्कार भी एक है। सेंट जोसेफ समूह की राजाजीपुरम, सीतापुर रोड व रूचिखण्ड शाखा में नये सत्र की शुरूआत इसी विद्या आरंभ संस्कार के साथ वर्षों से होती आ रही है। बुधवार को विद्या आरंभ संस्कार के साथ सेंट जोसेफ में नया सत्र आरंभ हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ परम्परागत रूप से दीप प्रज्जवलन के साथ तथा विद्या की देवी मॉ सरस्वती की पूजा–अर्चना से हुआ। सेंट जोसेफ समूह की संस्थापक अध्यक्ष श्रीमती पुष्पलता अग्रवाल के साथ प्रबन्ध निदेशक अनिल अग्रवाल व निदेशक नम्रता अग्रवाल इस अवसर पर उपस्थित थे। दीप प्रज्जवलन नये सत्र में नर्सरी कक्षा में प्रथम प्रवेश लेने वाले बच्चें के साथ उसके अभिभावक ने किया। विद्या आरंभ संस्कार में शिक्षिकाओं ने सभी नन्हे बच्चों को रोली तिलक व अक्षत लगाकर विद्यार्थी जीवन में पदार्पण पर उनका स्वागत किया। साथ ही उनके नाम का पहला अक्षर उनका हाथ पकड़कर कागज पर

लिखवाया। उनके नन्हे हाथों की छाप उसी कागज पर लेकर एक यादगार के रूप में अभिभवकों को सौंप दिया। इस अवसर पर प्रबन्धा निदेशक ने अभिभावकों को संबोधित करते हुये कहा कि बच्चे बड़े होने पर भी अपनी पहली शिक्षिका और अपने द्वारा लिखे पहले अक्षर को कभी भूल नहीं पायेगें। बच्चों को उनकी पहली कक्षा से ही संस्कारों को देना ही सेंट जोसेफ का उद्देश्य है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में बच्चों के अभिभावक उपस्थित थे। उन्होने विद्यालय की विद्या आरंभ संस्कार परम्परा की भूरि–भूरि सराहना की।

कायस्थ सदैव राष्ट्रवादी देशभक्त रहा है –डॉ इन्द्रसेन श्रीवास्तव

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : अखिल भारतीय कायस्थ महासभा उप्र की एक आवश्यक वर्चुअल जूम बैठक प्रदेश अध्यक्ष डॉ इन्द्रसेन श्रीवास्तव की अध्यक्षता में सभी प्रदेश पदाधिकारी गण व सभी जिला अध्यक्ष महामंत्री गण के साथ आयोजित किया गया। वर्चुअल जूम बैठक में जुड़े सभी प्रदेश पदाधिकारी गण जिलाध्यक्ष महामंत्री के साथ साथ युवा प्रकोष्ठ महिला प्रकोष्ठ के पदाधिकारी गणो को सम्बोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि अखिल भारतीय कायस्थ महासभा उप्र ने वर्तमान राजनीतिक व सामाजिक परिस्थितियों को समाज के अनुकूल बनाने की आवश्यकता है।यह तभी संभव हो सकता है जब हम अपने को संगठन में समर्पित भाव से कार्य करें। सदस्यता अभियान पर चर्चा करते हुए कहा कि किसी भी संगठन को सक्रिय और सुचारू रूप से संचालित करने के लिए सदस्य होना आवश्यक है। सभी साथी पूरे समर्पण भाव के साथ सदस्यता अभियान को सफल बनाने में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें।तय समय में सदस्यता अभियान के लक्ष्य को हासिल करें। वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में हर व्यक्ति का रुझान रूलिंग पार्टी में होता है।और आज कायस्थ समाज 98: भारतीय जनता पार्टी के साथ है। कायस्थ सदैव राष्ट्रवादी देशभक्त रहा है हमसब राष्ट्र को प्रथम स्थान पर रखते हैं। दुर्भाग्यवश आज हम अपनी स्वयं एकता और अखंडता को खण्डित कर राजनीतिक ब्यवस्था में हासिये पर आ गये है। आज भारतीय जनता पार्टी भी हमारे समाज के साथ न्याय नहीं कर रही है। भाजपा के साथ सामाजिक कार्य कर रहे हमारे समाज के नेताओं को किनारे किया जा रहा है।जो चिन्ता का विषय है। अपने परिवार और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को लेकर जागरूक हो वर्ना आने वाली पीढ़ियां हमें माफ नहीं करेगी। नगर निकाय चुनाव होने वाले हैं हमारे समाज के लोग जहां भी चुनाव मैदान में हैं वहां उनका समर्थन खुल कर करें। बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों ने वर्तमान राजनीतिक उपेक्षा को लेकर अपनी राय व्यक्त करते हुए कहा कि हमसे कम संख्या के लोग अपनी राजनीतिक पार्टी बना कर सरकार में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं इसी तरह अब किसी से अपना हक मांगने से अच्छा है कि हमसब मिलकर एक राजनीतिक दल का निर्माण कर समाज में अपनी पहचान बनाये और अपनी ताकत एवं क्षमता प्रदर्शित करें।बैठक में प्रमुख रूप से प्रदेश कार्यवाहक अध्यक्ष पश्चिम संभाग वेदप्रकाश सक्सेना प्रदेश कार्यवाहक अध्यक्ष पूर्वांचल संभाग अनिल श्रीवास्तव प्रदेश प्रवक्ता विश्व प्रकाश श्रीवास्तव,प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती निवेदिता श्रीवास्तव,संजीव सक्सेना बरेली,रतन श्रीवास्तव संतकबीरनगर, प्रदेश युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष गौरव सक्सेना बरेली, पश्चिमी संभाग युवा अध्यक्ष अतुल सक्सेना शाहजहांपुर, प्रदेश सचिव गिरीश श्रीवास्तव कानपुर, अरुण श्रीवास्तव जिला अध्यक्ष गाजीपुर, अनूप श्रीवास्तव जिला अध्यक्ष

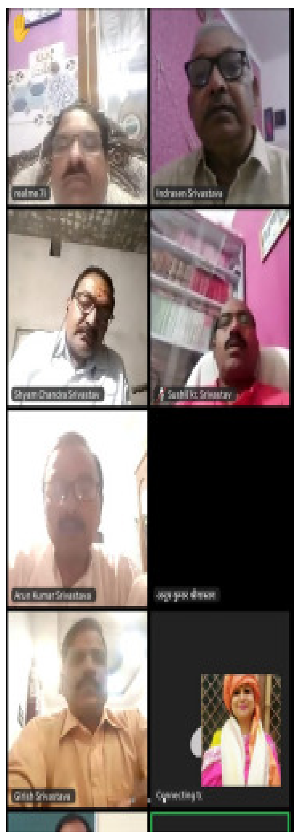

सुलतानपुर शिव भूषण लाल श्रीवास्तव महामंत्री सुलतानपुर, श्रीमती प्रवीना श्रीवास्तव जिला अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ रायबरेली, प्रयागराज जिला अध्यक्ष मेजर डा वीके भटनागर बदांयू दीपक सक्सेना, पीलीभीत अविनाश चंद्र, कासगंज केके सक्सेना,सरोज श्रीवास्तव शाहजहांपुर, बरेली मण्डल प्रभारी गोविन्द सक्सेना सहित सभी जनपदों के जिलाध्यक्ष महामंत्री की सहभागिता रही ।कार्यक्रम का संचालन श्याम चन्द्र श्रीवास्तव प्रदेश महामंत्री ने किया।उक्त जानकारी प्रदेश प्रवक्ता विश्व प्रकाश श्रीवास्तव द्वारा दिया गया।

दो बाइक के साथ 5 चोर गिरफ्तार

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : केराकत थाना अंतर्गत पुलिस टीम ने चोरी की दो मोटर साइकिल के साथ पांच मोटर साइकिल चोरों को किया गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक नगर के

निर्देशन व क्षेत्राधिकारी केराकत के पर्यवेक्षण में थाना केराकत पुलिस टीम द्वारा चोरी करने वाले पांच अभियुक्तों को ग्राम खड़हर डगरा चौकी मुफ्तीगंज थाना केराकत जनपद से दो चोरी की मोटर साइकिल के साथ गिरफ्तार कर अभियुक्तगण का चालान न्यायालय भेज दिया है। गिरफ्तार अभियुक्तों में 1.प्रिन्स राय पुत्र स्व0 अमरजीत राय निवासी कोठिया थाना तहवरपुर जनपद आजमगढ। 2.कृष्ण यादव पुत्र राजकुमार यादव नि0 आराजी देवली अमरा थाना गौराबादशाहपुर जौनपुर। 3.आदित्य राय पुत्र अनिल राय निवासी अमरा थाना गौराबादशाहपुर जौनपुर। 4.प्रीतम यादव पुत्र रामकेश यादव निवासी देवली अदायी थाना गौराबादशाहपुर जौनपुर। 5.चन्दन खैरवार पुत्र संतोष खैरवार निवासी अहन थाना केराकत जौनपुर। शामिल है।इनका आपराधिक इतिहास भी है जिसमे प्रिन्स राय के ऊपर अलग अलग थानों में मुकदमा दर्ज है। 1. मु0अ0सं0 32/17 धारा 147/323/504/506/325/342 भादवी थाना तहबरपुर आजमगढ़। 2. मु0अ0सं0 91/22 धारा 323/504/506/354/392/452 भादवी थाना तहबरपुर आजमगढ़।

गांव में हो रहे पंचायत भवन के निर्माण कार्य को दबंगो ने रोका

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : सुरेरी– विकासखंड रामपुर के ग्राम पंचायत घाघरपुर में ग्राम प्रधान द्वारा ग्राम पंचायत की जमीन में पंचायत भवन का निर्माण कार्य कराने पर गांव के ही दबंगों द्वारा निर्माण कार्य न कराने व निर्माण करवाने पर ग्राम प्रधान को कत्ल करने की दी धमकी सहमें प्रधान ने पुलिस से गुहार लगाई है । रामपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत घाघरपुर के ग्राम प्रधान राम शिरोमण ग्राम पंचायत में स्थित ग्राम समाज खाते की आराजी नंबर 689 क में उपजिलाधिकारी मड़ियाहूं के आदेश पर राजस्व कर्मियों द्वारा सीमांकन कर अंकित किए गए स्थान पर गांव के ही वीरेंद्र सिंह के हाथों ग्राम पंचायत में सोमवार को पंचायत भवन का निर्माण का कार्य तो शुरू करवा दिया। जहां एक दिन तक निर्माण कार्य चलने के बाद मंगलवार को वीरेंद्र सिंह व उनके साथ दिनेश सिंह, विकास सिंह, मनीष सिंह व शीतल सिंह ने ग्राम प्रधान से पंचायत भवन के निर्माण कार्य कराने से मना कर दिया। तथा कार्य न रुकने पर कत्ल करने देने की धमकी तक दे डाली दबंगों के धमकी से सहमें ग्राम प्रधान आनन–फानन में पंचायत भवन के निर्माण कार्य को रुकवा कर सुरेरी थाने पर पहुंचकर लिखित प्रार्थना पत्र देकर पुलिस से कार्रवाई करने की गुहार लगाई। इस संबंध में सुरेरी थाने के प्रभारी थानाध्यक्ष धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने बताया दोनों पक्ष से प्रार्थना पत्र पड़ी है दूसरे पक्ष का आरोप है कि हमारी निजी रिहायशी जमीन पर जबरदस्ती निर्माण कार्य कराया जा रहा है शिकायत पर निर्माण कार्य रुकवा दिया गया।

अशरफ के इशारे पर नाचते थे जेलकर्मी : जेल को बना दिया था होटल : पालतू बिल्ली का भी रखते थे ख्याल

बरेली ब्यूरो : पूर्व विधायक खालिद अजीम उर्फ अशरफ के लिए जेल किसी होटल से कम न थी। जेल में वह गुर्गों संग दरबार लगाता था। उसके लिए पीलीभीत से स्पेशल बिरयानी मंगाई जाती थी, वहीं उसकी पालतू बिल्ली का भी ख्याल रखा जाता था। माफिया का रसूख इस कदर हावी था कि किसी जेलकर्मी की विरोध करने की हिम्मत नहीं होती थी। उसकी खातिरदारी के लिए जेल अधीक्षक राजीव शुक्ला ने सारे कायदे–कानून ताक पर रख दिए थे। प्रभारी डीआईजी जेल आरएन पांडेय ने जांच के बाद इसकी रिपोर्ट डीजी जेल को भेजी थी। सूत्रों के मुताबिक रिपोर्ट में जेल के शीर्ष अफसरों से लेकर निचले स्तर के कर्मचारियों तक को नाम के साथ जिक्र कर दोषी ठहराया गया है। इसमें राजीव शुक्ला को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा गया है कि कुछ कर्मचारी न चाहते हुए भी इस काकस का हिस्सा बनने को मजबूर थे। विरोध की स्थिति में उनको खुद पर ही कार्रवाई होने का डर सता रहा था। पीलीभीत के मोहल्ला फीलखाना निवासी आरिफ को पुलिस पहले ही जेल भेज चुकी है। उसके द्वारा लाई गई बिरयानी जेल अधीक्षक की देखरेख में अशरफ की बैरक तक पहुंचाई जाती थी। अशरफ के लिए जेल की कैंटीन में भी चिकन, मटन और अंडा करी बनाई जाती थी। अशरफ के कहने पर बिल्लियों के खाने के लिए बिस्किट, ब्रेड व दूध आदि आता था। चहारदीवारी में ही दम तोड़ गईं विरोध में उठने वाली आवाजेंशुरू में अशरफ को जेल में मिल रही इन सहूलियतों पर अंदरखाने विरोध की स्थिति भी रही पर अधिकारियों के झुकाव की वजह से निचला स्टाफ मन मसोस कर रह गया। बाद में अशरफ के गुर्गों ने भी अपने स्तर से स्टाफ से लेकर उपदवी बंदियों तक को सेट कर लिया। जेल के प्रमुख जिम्मेदारों को हर महीने नजराना पहुंचने लगा। बंदियों के लिए भी समय–सय पर दावत का इंतजाम किया गया। जेल के अंदर ही नवरात्र में फलाहार तो रमजान में इफ्तार का भी प्रबंध अशरफ की ओर से कराया जाता था। नन्हे उर्फ दयाराम के ऑटो में जेल के अन्य सामान के साथ दावत का सामान भी

मंगाया जाता था। अशरफ की सेवा में लगे थे आरक्षीजेल के अफसरों ने नियमों को ताक पर रखकर आरक्षियों को अशरफ की सेवा में लगा रखा था। अधिकारियों का हुक्म बजाने के अलावा उनके पास कोई रास्ता भी नहीं था। जेल में रहकर अशरफ जिससे चाहता, बात कर लेता था और जिससे चाहता मुलाकात करता था। उमेश पाल हत्याकांड में अशरफ का नाम आने के बाद से परतें खुल रही हैं। एक अधिकारी ने जब जेल अधीक्षक से सवाल किया था कि वह अशरफ को ये सुविधाएं डर की वजह से दे रहे थे या लालच की वजह से तो वह जवाब देने के बजाय बात घुमा गए। मुकदमे में बढ़ सकता है जेल अधीक्षक का नाम जेल में चल रहे खेल के लिए वरिष्ठ जेल अधीक्षक राजीव शुक्ला ही जिम्मेदार थे। उनका निलंबन न होने की वजह से पुलिस उनपर सीधी कार्रवाई से बच रही थी, जबकि जेल के निचले स्तर के कर्मचारी मुकदमे में नामजद होकर जेल जा चुके हैं। सीओ तृतीय आशीष कुमार सिंह के नेतृत्व वाली एसआईटी मामले की जांच कर रही है। निलंबित व जेल जा चुके कर्मचारियों ने बयान भी दिया है कि अधिकारियों के निर्देश पर वे अशरफ को सुविधाएं मुहैया करा रहे थे। इस लिहाज से एसआईटी राजीव शुक्ला का नाम मुकदमे में शामिल कर सकती है। आने वाले वक्त में उनकी मुश्किलें बढ़ सकती हैं। अब तक आठ निलंबित वरिष्ठ जेल अधीक्षक राजीव शुक्ला, जेलर राजीव मिश्रा, डिप्टी जेलर दुर्गेश प्रताप सिंह, जेल वार्डर शिवहरि अवस्थी, मनोज गौड़, बृजवीर सिंह, दानिश मेहंदी और दलपत सिंह। सात जा चुके जेल। जेल वार्डर शिवहरि अवस्थी, मनोज गौड़, लल्ला गद्दी, आरिफ, नन्हे उर्फ दयाराम, फरहद उर्फ गुड्डू और सरफुद्दीन।

अधिवक्ताओं ने तेज किया आंदोलन : कचहरी से फूल बाग तक निकाला मौन जुलूस व दिया धरना

कानपुर ब्यूरो : कानपुर में कचहरी के शताब्दी द्वार पर इकट्ठा हुए सैकड़ों वकीलों ने फूलबाग गांधी प्रतिमा तक मौन जुलूस निकालकर शक्ति प्रदर्शन किया। जिला जज के स्थानांतरण की मांग को लेकर अधिवक्ताओं का आंदोलन 20 दिन से अनवरत जारी है। आक्रोश थमने का नाम नहीं ले रहा है। अधिवक्ताओं ने शुरुआती दौर में सिर्फ जिला जज की अदालत का बहिष्कार करने का फैसला लिया था लेकिन सुनवाई न होने पर आंदोलन को धार देने के लिए आम सभा के निर्णय पर बार व लायर्स एसोसिएशन ने संयुक्त रूप से संपूर्ण न्यायिक व प्रशासनिक कामकाज ठप करने का फैसला लिया है। पिछले 10 दिन से सभी अदालतों के साथ–साथ रजिस्ट्री ऑफिस, तहसील व डीएम कार्यालय में स्थित अदालतों का कामकाज ठप पड़ा है। कचहरी में टाइपिस्ट व स्टांप वेंडर के काम करने पर भी रोक लगा दी गई है। बुधवार को शक्ति प्रदर्शन के लिहाज से वकीलों

ने कचहरी स्थित शताब्दी द्वार से फूलबाग स्थित गांधी प्रतिमा तक मौन जुलूस निकाला। गांधी प्रतिमा पर धरना देकर जिला जज के वकीलों के प्रति अपमानजनक व्यवहार के कारण उनके स्थानांतरण तक कार्य बहिष्कार जारी रखने की बात कही। इस दौरान बार एसोसिएशन के अध्यक्ष नरेश चंद्र त्रिपाठी, उपाध्यक्ष अनूप शुक्ला, महामंत्री अनुराग श्रीवास्तव, लॉयर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष पं.रविंद्र शर्मा, महामंत्री शरद कुमार शुक्ला, हेमंत तिवारी, अजय प्रताप सिंह चौहान, हरिकृष्ण शुक्ला, पवन अवस्थी, संजीव कनौजिया, मो. तौहीद, सौरभ भदौरिया, संजीव कपूर, अनूप कुमार द्विवेदी आदि सैकड़ों की संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे।

निषादराज जयंती पर कार्यक्रम आयोजित

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर समाजवादी पार्टी कार्यालय पर सृष्टि निर्माता महर्षि कश्यप व श्रृंगवेरपुर राजा महाराजा निषादराज की जयंती के कार्यक्रम जिलाध्यक्ष डां अवधनाथ पाल के अध्यक्षता मे मनाई गई । डॉ. पाल ने कहा कि महर्षि कश्यप ने अखण्ड तप, अलौकिक ज्ञान, धर्मनिष्ठा, परोपकारिता, अद्भुत तेज आदि समस्त लोकों में गुंजायमान था व बाल

सखा श्रृंगवेरपुर राजा महाराजा ने प्रभु श्रीराम से मित्रता को युगों–युगों के लिए सार्थक किया वहीं आज भाजपा सरकार ने इस देश में ऐसा राजा बनाया है जो अपने मित्र अडानी को मजबूत बनाने के लिए देश की प्रजा के हक अधिकार सरकारी संपत्ति को उन्हें बेचकर उनसे मित्रता निभाने का काम कर रहें हैं ऐसे मे हम समाजवादी लोगों की जिम्मेदारी है कि ऐसी मित्रता को जो देश को बेचकर निभाते हैं उस राजा को देश से हटाकर सही मित्रता वालें दोस्त को बैठाया जाऐ । डॉ. पाल ने कहा कि अखिलेश यादव ने ही महर्षि कश्यप व महाराजा निषादराज गुह्य जी के जयंती पर अवकाश घोषित किया था। भाजपा सरकार ने अवकाश को निरस्त कर महापुरुषों को अपमानित करने का काम किया कार्यक्रम में चित्र के समक्ष जाति जनगणना कराने की मांग की गई । इस अवसर पर पूर्व विधायक राजनरायन बिन्द, लालबहादुर यादव, यशवता यादव डां जितेंद्र यादव,राजन यादव श्याम बहादुर पाल,राजेन्द्र यादव,राहुल त्रिपाठी,राजकुमार बिन्द पूनम मौर्या,महेन्द्र यादव,श्रवण जयसवाल,हिरालाल विश्कर्मा,दीपचंद राम राजेश यादव,रमापति यादव,रुक्सार अहमद, दिनानाथ सिंह,श्याम नरायण बिन्द, अनवारुल हक,अनील दूबे,साजिद अलीम,इर्शाद मंसूरी, सोचनराम विश्कर्मा,सुभाष पाल मेवालाल गौतम,गजराज यादव,रमेश साहनी गप्पू मौर्या, अंसारी,विरेंद्र यादव सोनी तारा त्रिपाठी रामेश्वर निषाद,विक्की यादव, अखिलेश यादव,मुकेश अबूसाद क्ष्मी शंकर यादव आदि लोगों उपस्थित रहे।

फोन पर पति से कहा तुम ड्यूटी से लौटकर आओगे तो मेरा मुंह न देखोगे : की आत्महत्या

गाजियाबाद ब्यूरो : गाजियाबाद की क्रॉसिंग रिपब्लिक थाना इलाके की आदर्श कॉलोनी में रहने वाली महिला ने पति को कॉल की और थोड़ी ही देर बाद फंदा लगाकर जान दे दी। पुलिस के मुताबिक, महिला ने पति को फोन पर कहा था कि तुम ड्यूटी से लौटकर आओगे तो मेरा मुंह नहीं देखोगे। पति ने इसे गुस्से में कहे गए शब्द माने, लेकिन थोड़ी ही देर बाद खबर आई कि पत्नी ने फंदा लगा लिया। महिला के पास से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। वहीं, महिला के परिजनों ने मायके वालों के खिलाफ दहेज के लिए हत्या करने का आरोप लगाकर तहरीर दी है। इटावा की रहने वाली सोनम (24) ने फरवरी 2022 में बिहारीपुरा आदर्श कालोनी के रहने वाले धर्मवीर से प्रेम विवाह किया था। हालांकि यह शादी परिजनों की मर्जी से ही हुई थी। बुलंदशहर के आजमपुर ककोड़ का रहने वाला धर्मवीर गाजियाबाद में एक फैक्टरी में नौकरी करता है। पुलिस के मुताबिक, कई महीने से सोनम और धर्मवीर में तकरार रहने लगी थी। सोनम काफी दिन से मायके गई हुई थी और रविवार को ही ससुराल लौटी थी। पुलिस के मुताबिक सोमवार दोपहर उसने पति धर्मवीर को फोन किया और दोनों में विवाद हुआ था। सोनम ने जान देने की धमकी दी तो धर्मवीर ने उसे समझाया था। इसके बाद दोपहर को उसने पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। धर्मवीर के भाई ने सोनम को पंखे से लटका देखकर शोर मचाया। उसने तत्काल धर्मवीर व पुलिस को सूचना दी। पुलिस और परिजनों ने सोनम को फंदे से नीचे उतारा, लेकिन उसकी मौत हो चुकी थी। पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया पति–पत्नी के विवाद के चलते आत्महत्या की बात सामने आ रही है। एसीपी वेव सिटी का कहना है कि सोनम के परिजनों की ओर से उसके पति और ससुराल वालों के खिलाफ तहरीर दी गई है। मामले की जांच की जा रही है। 'तुम ड्यूटी से लौटकर आओगे तो मेरा मुंह नहीं देखोगे' सुनो बहुत हो चुका, अब और सहन नहीं होता, तुम आज ड्यूटी से लौटकर आओगे तो मेरा मुंह नहीं देखोगे फोन पर पत्नी सोनम (24) की ये धमकी भरी बातें सुनकर धर्मवीर सकते में आ गया, दोनों में अकसर झगड़ा रहता था, इसलिए अगले ही पल उसने सोचा कि गुस्से में ऐसा बोल रही होगी। उसे क्या पता था कि यह पत्नी की आखिरी कॉल है और वह जैसा कह रही है, वैसा ही करने जा रही है। थोड़ी ही देर बाद उसके मोबाइल फोन पर एक और कॉल आई। इस बार बड़ी मनहूस खबर थी। उससे कहा गया, तुम तुरंत घर आ जाओ, तुम्हारी पत्नी ने फंदा लगाकर जान दे दी है, पुलिस आ चुकी है, तुम्हें बुला रही है। यह सुनते ही धर्मवीर स्तब्ध रह गया। घर पहुंचा तो पत्नी का शव देखकर फूट फूटकर रोने लगा। घटना सोमवार दोपहर की है। दोनों ने एक साल पहले ही प्रेम विवाह किया था। सोनम का मायका इटावा में है। धर्मवीर क्रासिंग रिपब्लिक की बिहारीपुरा आदर्श कॉलोनी का है। दोनों आदर्श कॉलोनी में ही रह रहे थे। पुलिस ने बताया कि मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। सोनम काफी दिन से मायके में थी और रविवार को ही ससुराल लौटी थी। पति–पत्नी के बीच शादी के कुछ दिन बाद से ही तकरार रहने लगी थी। इसी वजह से सोनम मायके गई थी। फोन काटते ही लगा लिया फंदा पुलिस ने धर्मवीर, उसके भाई और अन्य लोगों से पूछताछ की। इसके बाद पुलिस ने बताया कि ऐसा लग रहा है कि सोनम ने धर्मवीर से बात करने के बाद फोन काटते ही फंदा लगा लिया। फोन पर दोनों की बातचीत के थोड़ी देर बाद ही धर्मवीर का भाई घर पहुंचा था। उसने सोनम को फंदे से उतारा लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। बुलंदशहर के आजमपुर ककोड़ का रहने वाला धर्मवीर गाजियाबाद में एक फैक्टरी में नौकरी करता है। वह फैक्टरी गया हुआ था। दहेज हत्या की दी तहरीर बुलंदशहर से पहुंचे सोनम के परिजनों ने धर्मवीर और उसके परिजनों के खिलाफ दहेज हत्या की तहरीर दी है। उनका कहना है कि सोनम को दहेज के लिए प्रताड़ित किया जा रहा था। परेशान होकर ही वह मायके गई थी। दहेज न मिलने के कारण उसकी हत्या की गई है। उन्होंने पुलिस से कहा है कि केस दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार किया जाए। एसीपी वेव सिटी रवि प्रकाश का कहना है कि सोनम के परिजनों की ओर से उसके पति और ससुराल वालों के खिलाफ तहरीर दी गई है। प्रथम दृष्टया मामला पति–पत्नी में विवाद की वजह से घटना होने का मिला है। मामले की जांच की जा रही है।

अखिल भारत वर्षीय ब्राह्मण महासभा राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक सम्पन्न

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। आगामी 22 अप्रैल को अक्षय तृतीया पर लखनऊ में परशुराम जयंती मनाए जाने की तैयारियों की समीक्षा करने हेतु दिल्ली से पधारे अखिल भारत वर्षीय ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री पंडित हरिओम शर्मा तथा पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री एवं ब्राह्मण सेवक तरुण मिश्रा के साथ एक बैठक पूर्वी भारत की राष्ट्रीय महामंत्री विदुषी कनुप्रिया के मेट्रो सिटी, निशातगंज लखनऊ, निवास पर सम्पन्न हुई।जिसमे परशुराम जयंती पर किए जाने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विचार विमर्श किया गया तथा साथ ही साथ संगठन की सदस्य संख्या बढ़ाए जाने पर विशेष जोर दिया गया ।बैठक में महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष श्रीमती रागिनी अवस्थी, लखनऊ जनपद के अध्यक्ष पंडित

संजय अवस्थी, लखनऊ की महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष रेखा त्रिपाठी , लखनऊ के संगठन मंत्री पंडित अशोक तिवारी, लखनऊ के युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष पंडित विश्वास सारस्वत तथा अन्य गणमान्य पंडित लोग उपास्थित थे।

मामूली बात पर दो समुदाय के लोगों के बीच पथराव में तीन घायल

उन्नाव ब्यूरो : उन्नाव जिले में सफीपुर कोतवाली क्षेत्र के एक गांव के चौराहे पर अलग–अलग समुदाय के लोगों में मामूली बात पर विवाद हो गया। मारपीट के साथ पथराव हो गया। इसमें एक वृद्ध व बच्ची सहित तीन लोग घायल हो गए। दो समुदायों के बीच मारपीट की सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और घायलों को सीएचसी लाई। कोतवाली क्षेत्र के कुसेला गांव के चौराहे पर आमने – सामने अलग अलग समुदाय के लोगों के मकान हैं। मंगलवार देर रात चौराहे पर विशेष वर्ग के लोगो का जमावड़ा लगा था। इसी बीच मैकू शर्मा की नातिन मानसी (18) नजदीक के हैंडपंप पर पानी लेने पहुंची। जहां पहले से खड़े विशेष वर्ग के लड़कों से मानसी की कहासुनी हो गई। विवाद की सूचना से दोनों पक्षों के लोग एकत्र हो गए। उसी दौरान छत पर मौजूद लोगों में से किसी ने पथराव कर दिया। पत्थर वहां खड़े श्रीकृष्ण (65) को लग गया। इससे मारपीट शुरू हो गई। एक पक्ष से दिव्यांग निर्मल, रामशंकर शर्मा, श्याम जी की बेटी जाह्नवी (8) घायल हो गई। दो समुदायों में मारपीट की सूचना पर सीओ ऋषिकांत शुक्ला, कोतवाल पवन सोनकर फोर्स के साथ पहुंचे। भीड़ को भगाने के साथ ही घायलों को स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। अधिक चोट न होने से प्राथमिक उपचार के बाद सभी को घर भेज दिया गया। कोतवाल पवन सोनकर ने बताया कि मारपीट में दो लोग घायल थे उनकी मरहम पट्टी करा कर घर भेज दिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

बेटी को जहर देकर मौत के घाट उतारने के बाद पिता ने की आत्महत्या : मचा कोहराम

कानपुर ब्यूरो : कानपुर में सजेती थाना क्षेत्र के बीबीपुर गांव में बुधवार सुबह करीब 10:00 बजे पिता ने अपनी पुत्री को जहर दे दिया फिर खुद भी जहर खाकर आत्महत्या कर ली। मौके पर ही दोनों की मौत हो गई। इस घटना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। जानकारी के मुताबिक बीबीपुर निवासी मनोज कुमार (40) पुत्र स्व. इंद्रपाल कोरी मुंबई में रहता था। उसके साथ उसकी पुत्री मंजीता देवी (13) और छोटी बहन दुर्गा (10) भी रहती थी। मंगलवार को ही मुंबई से तीनों लोग अपने गांव आए थे। ग्रामीणों ने बताया कि मृतक की पत्नी सविता 5 वर्ष पहले झगड़ कर अपने मायके बरीपाल सजेती चली गई थी। पत्नी के ना आने से मनोज परेशान रहता था और गांव छोड़कर कमाने के लिए बाहर चला गया था। मनोज अपने साथ में दोनों बेटियों को रखता था। मौत का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका।

ममता चैरिटेबल ट्रस्ट के मुख्य ट्रस्टी राजीव मिश्रा ने अपने जन्मदिन के अवसर पर टी.बी. से पीड़ित 51 बच्चों को लिया गोद

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। ममता चेरिटेबल ट्रस्ट के मुख्य ट्रस्टी राजीव मिश्रा ने अपने जन्मदिन के अवसर पर टी.बी. से पीड़ित 51 बच्चों को गोद लिया। राजीव मिश्रा जी ने प्रेस वार्ता में बताया कि वह उन 51 बच्चों की चिकित्सा तब तक कराते रहेंगे जब तक वो बच्चे पूर्ण रूप से स्वस्थ नहीं हो जाएंगे । इसके अलावा राजीव मिश्रा ने बताया की ममता चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा इस प्रकार के जन कल्याणकारी कार्य निरंतर किए जा रहे हैं और आगे भी होते रहेंगे । जन्मदिन के शुभ अवसर पर ममता चैरिटेबल ट्रस्ट के मीडिया प्रभारी देवाशीष देव ने राजीव मिश्रा को अंगवस्त्र पहनाकर एवं पुष्प गुच्छ भेंट

कर उनको शुभकामनाएं दी । सैकड़ों की संख्या में लोगों ने राजीव मिश्रा को उनके आवास पर आकर जन्मदिन की बधाई दी।

फिल्म फेयर पुरस्कार 2022 में बतौर मुख्य अतिथि कलाकारों को दिया शुभकामना और अयोध्या धाम आने का आमंत्रण

अयोध्या(डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता, केंद्र सरकार के रेलवे व खाध्य निगम मंत्रालयों के सलाहकार सदस्य श्रीराम जन्मभूमि के प्रधान पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास के कृपा पात्र और श्री राम लला के अनन्य भक्त अनूप चौधरी ने रामनगरी अयोध्या के साथ समूचे उत्तर प्रदेश राज्य का मान बढ़ाया है। इस मान बढ़ाने की उपलब्धि को भाजपा नेता व सलाहकार सदस्य श्री चौधरी के मराठी फिल्म फेयर पुरस्कार 2022 समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होने से जोड़ा जा रहा है। श्री चौधरी ने मराठी फिल्मफेयर पुरस्कार 2022 में मुख्य अतिथि के रूप में हिस्सा लेकर समारोह में पुरस्कार पाने वाले कलाकारों को शुभकामनाएँ दी है और सभी कलाकारों को श्री अयोध्या धाम आने का आमंत्रण दिया है। सोमवार की देरशाम इस समारोह के बारे में श्री चौधरी ने बताया कि मराठी फिल्म फेयर पुरस्कार समारोह की यह शाम मराठी सिनेमा की सबसे बड़ी शाम थी। यह फिल्म फेयर पुरस्कार समारोह प्लैनेट मराठी प्रेजेंट्स का 7वां एडिशन फिल्मफेयर अवार्ड्स मराठी 2022 था। उन्होंने बताया कि वह समारोह विगत 30 मार्च को महाकवि कालिदास नाट्यमंदिर हॉल मुलुंड मुंबई में आयोजित किया गया जिसमें उन्हें मराठी फिल्मफेयर पुरस्कार 2022 में मुख्य अतिथि के रूप में हिस्सा लेने का अवसर प्राप्त हुआ था। उन्होंने बताया कि समारोह में उन्होंने पुरस्कार पाने वाले कलाकारों को शुभकामनाएँ दी और सभी को श्री अयोध्या धाम आने का आमंत्रण दिया है। ज्ञांत हो कि श्री चौधरी इससे पूर्व भी सामाजिक राजनीतिक तथा आध्यात्मिक क्षेत्रों से जुड़ी कई बड़ी हस्तियों से मिल चुके हैं और उन्हें श्री अयोध्या धाम आने का आमत्रंण दे चुके है।

प्रभागीय वन अधिकारी ने उधैला झील का किया निरीक्षण : झील में नहीं है गांठ भर भी पानी

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।मिल्कीपुर–अयोध्या। पक्षी विहार कहे जाने वाले उधैला झील में गांठ भर पानी नहीं है। तलहटी में कहीं–कहीं थोड़ा बहुत पानी दिखाई देता है,अति प्राचीन भगवान शिव के सिद्धनाथ मंदिर के सामने स्थित उधैला झील 5 गांव के कई मजरों से होकर गुजरती है। इस झील को पक्षी विहार बनाने का प्रयास करीब 18 वर्ष पहले 2004 के उपचुनाव में मिल्कीपुर से विधानसभा के विधायक रामचंद्र यादव ने शुरू किया था। उनकी मांग पर तत्कालीन मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव ने इस झील को पक्षी विहार बनाने का आश्वासन दिया था। उस समय तहसील की टीम द्वारा पैमाइश हुई, लेकिन आगे की प्रगति ठप हो गई थी। पक्षी विहार की फाइलें शासन में ठंडे बस्ते में पड़ गई थी। जब सरकार ने इसका संज्ञान लिया तो फिर से फाइल विभागीय कार्यालयों के चक्कर लगाने लगी। प्रभागीय वन अधिकारी अयोध्या शीतांशु पाण्डेय एवं उप जिलाधिकारी मिल्कीपुर अमित जायसवाल ने मंगलवार दोपहर बाद क्षेत्रीय वन अधिकारी कुमारगंज पी के श्रीवास्तव के साथ पक्षी विहार का निरीक्षण किया। एसडीएम ने बताया कि पक्षी विहार की फाइलें तैयार कर शासन को भेजी जाएंगी ताकि टूरिज्म के रूप में स्थापित किया जा सके। उन्होंने यह भी बताया कि झील में छोटे–छोटे टॉपू बनाए जाएंगे, ताकि विदेशी पक्षी प्रजनन कर अंडे भी दे सकें। सुंदरता के लिए चारों तरफ बारहमासी फूल लगाए जाएंगे पर्यटकों के घूमने के लिए वोटिंग की भी रूपरेखा तैयार की जा रही है, पक्षियों की निगरानी के लिए वाचर टावर का भी निर्माण कराए जाएंगे ताकि कोई शिकारी विदेशी पक्षियों का शिकार ना कर सके।शासन से निर्देश मिलते ही कार्य को प्रगति में लाया जाएगा। मिल्कीपुर विधायक के रुप में रामचंद्र यादव ने वर्ष 2006–07 में झील में पक्के घाट का निर्माण भी कराया। विधायक का प्रयास जारी रहा नतीजतन वर्ष 2019 की शुरुआत में तत्कालीन जिलाधिकारी डॉ. अनिल पाठक के आदेश पर तत्कालीन सीडीओ रवीश कुमार गुप्ता ने मातहतों के साथ उधैला झील का निरीक्षण किया था। उधैला झील का भौगोलिक क्षेत्रफल करीब साढ़े सात सौ बीघा बताया जाता है। उधैला झील तहसील मुख्यालय से करीब 7 किलोमीटर दक्षिण मिल्कीपुर से अमानीगंज मार्ग पर स्थित है।

कार्यकर्ताओं के विवाद में हटे सपा जिलाध्यक्ष गंगा यादव

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार। समाजवादी पार्टी की जिला व महानगर कमेटी के अन्दर सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। पूर्व जिलाध्यक्ष गंगा सिंह यादव को जिस तरह बिना कारण बताये सपा मुखिया द्वारा हटाकर दूसरे को जिलाध्यक्ष बना दिया गया है वह अन्दरखाने में जिला कमेटी के पदाधिकारियों को हजम नहीं हो रहा है। ऐसा ही रहा तो समाजवादी पार्टी के लिए आगामी नगर निकाय चुनाव व लोकसभा चुनाव आसान नहीं होगा। बताते चलें कि समाजवादी पार्टी में जिला व महानगर संगठन है। 22 मार्च को वरिष्ठ सपा नेता शिवपाल यादव का शहर में कार्यक्रम था। जिसमें पूर्व एमएलसी लीलावती कुशवाहा के साथ मारपीट होने का मामला गम्भीर रूप ले लिया। जिसे लेकर कुछ लोग लखनऊ चले गए। अंदरखाने की सूचना के मुताबिक हाईकमान ने लीलावती प्रकरण को हैंडिल न कर पाने का जिम्मेदार भंग कमेटी के जिला अध्यक्ष रहे गंगा सिंह यादव को ठहराया गया। क्योंकि जिन कार्यकर्ताओं के साथ मारपीट हुई थी उनसे मांफी मांगे जाने की मांग की गयी थी। पूर्व जिलाध्यक्ष ने दोनों पक्षों से वार्ता की परन्तु इसी बींच महानगर कमेटी के द्वारा पार्टी कार्यालय पर धरना प्रदर्शन किया गया जो अनुशासन के खिलाफ था। इसी मामले को लेकर पूर्व विधायक तेजनारायण पाण्डेय पवन ने इस मामले को लखनऊ भेज दिया। चूंकि विवाद का मामला महानगर कमेटी से जुड़ा था जिसकी जिम्मेदारी गंगा यादव की नहीं बनती। बताते हैं कि बिना पूर्व जिलाध्यक्ष का पक्ष जाने ही कार्रवाई कर दी गयी। हालांकि गंगा सिंह यादव का कार्यकाल बेहतरीन रहा है। वर्ष 2009 में समाजवादी पार्टी का जिला महासचिव बनाया गया जिसके बाद 2012 में सपा की सरकार आई और 2017 में जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गयी। कुछ समय बाद ही निकाय चुनाव हुए जिसमें ग्रामीण क्षेत्र से शतप्रतिशत सीटें सपा की झोली में गई। उसके बाद लोक सभा चुनाव में दूसरे नम्बर पर पार्टी रही। जिला पंचायत के चुनाव में भी पार्टी बहुमत के बराबर रही और 2022 के विधान सभा चुनाव में भी दो विधान सभा सीटें जीती। कार्यकाल के दौरान किसी भी पार्टी कार्यकर्ता पर मुकदमा नहीं दर्ज हुआ। दूसरी तरफ चर्चा यह भी है कि अब जिन्हें जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गयी है वह अम्बेडकरनगर संसदीय क्षेत्र से आते हैं। ऐसे में कार्यकर्ताओं को एक जुट रखना तथा आसन्न नगर निकाय चुनाव व 2024 का लोकसभा चुनाव में दमदार प्रदर्शन आसान नहीं होगा।

ट्रेनिग व नौकरी दिलाने के नाम पर युवक युवतियों से ठगी : गोसाईंगज पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।गोसाईंगंज–अयोध्या। भारत सरकार की कौशल विकास योजना में ट्रेनिग व नौकरी के दिलाने के नाम युवक युवतियों से ठगी के मामले में अंततः गोसाईंगंज पुलिस ने सोमवार की देर शाम मुकदमा दर्ज कर लिया। हालांकि जालसाज को ठगी के शिकार हुए बेरोजगारों ने अम्बेडकरनगर जिले के भीटी क्षेत्र से ढूंढकर पकड़ लिया। भीटी पुलिस ने अभिरक्षा में लेकर उसे इब्राहिमपुर थाने की पुलिस के सुपुर्द कर दिया। उसके खिलाफ ऐसे ही मामले में वहा मुकदमा दर्ज था। अभी उसके महिला सहयोगियों की तलाश होनी है। रोजगार के नाम पर पहले ट्रेनिंग और नौकरी देने के नाम पर ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं के साथ ठगी के किए जा रहे हैं। ऐसा ही मामला विकास खंड मया के वंदनपुर व भेरीपुर गांव में गत दिनों प्रकाश में आया। 22 मार्च को पीड़ितों ने गोसाईंगंज थाने में शिकायत की तोतत्कालीन वरिष्ठ उप निरीक्षक देवेंद्र राय ने आरोपी का पता खोजने के लिए भुक्तभोगियों से कहकर पल्ला झाड़ लिया। ऑनलाइन शिकायत के बाद शनिवार को पुलिस ने पीड़ितों को थाने बुलाकर पूंछतांछ की। सोमवार को पुनः पीड़ित जब थाने पहुंचे तब पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया। वन्दनपुर निवासी बबिता राव, जंगलपुर निवासी अवधेश कुमार, भेरीपुर राहुल गुप्त सहित दर्जनों ठगी के शिकार ने बताया कि मनीष त्रिपाठी नामक युवक ने प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के माध्यम से ट्रेनिंग व सर्टिफिकेट के नामपर 3 से चार हजार प्रति अभ्यर्थी से लिये एक माह गांव में ही ट्रेनिंग कराया इसके बाद सभी को फर्जी प्रमाणपत्र दिया गया। युवतियों को सिलाई मशीन व कौशल विकास के अन्य उपकरण देने के लिए समान खरीद के लिए कानपुर जाने की बात बताई और रफुचकर हो गया। 16 मार्च को बाराबंकी जिले एक कथित दरोगा का फोन आया कि मनीष की दुर्घटना में मौत हो गयी। युवक व युवतियों को जब शक हुआ तो उन लोंगो ने ठग की सहयोगी श्रीमती संतोष मिश्रा व श्वेता तिवारी नाम की प्रशिक्षकों से बात करने का प्रयास किया तो उनका भी मोबाइल बंद मिला। शक होनेपर इन लोगो ने प्रमाण पत्र चेक किया तो फर्जी था। बाराबंकी में दुर्घटना की खबर भी झूंठी निकली। ठगी का अहसास होते ही 22 मार्च को भुक्तभोगियों ने गोसाईगंज थाने में तहरीर दी। ठगी के शिकार अवधेश कुमार ने बताया कि तत्कालीन एसएसआई ने कहा कि पहले उसका पता खोजो तब बताना। कार्रवाई न होते देख पीड़ितों आन लाइन शिकायत दर्ज कराया। शनिवार को एस आई जवाहरपाल ने भुक्तभोगियों को थाने बुलाया और पूंछतांछ की। ठग ने अपना पता जौनपुर व महिला सहयोगियों के पता दोस्तपुर बताया था। सोमवार को मयाव अम्बेडकरनगर के दर्जनों पीड़ितों ने उसे भीटी बाजार में पकड़कर स्थानीय पुलिस के हवाले कर दिया। ठगी का यह गैंग अकेले मया ब्लॉक के विभिन्न गांवों में 65 सेंटर स्थापित लगभग एक हजार बेरोजगारों से ठगी की है जबकि पडोसी जनपद अम्बेडकरनगर में भी कथित मनीष तिवारी के द्वारा ठगी की बात प्रकाश में आई है। प्रभारी निरीक्षक अक्षय कुमार ने बताया की मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। थानाध्यक्ष इब्राहिमपुर सुनील पांडेय ने बताया कि आरोपी व उसके दो तीन सहयोगियों को हिरासत में लेकर पूंछतांछ की जा रही है। उसके खिलाफ कौशल विकास परियोजना के नाम पर पहले से धोखाधड़ी का मुकदमा पंजीकृत है।

अयोध्या में मुंबई के मानस मंडलों द्वारा श्रीराम चरित मानस पाठ एवं विशाल भंडारा का होगा आयोजन

अयोध्या (विशेष संवाददाता जय प्रकाश तिवारी) : मानस पाठ करने वाले मंडलों का संगठन, मानस परिवार सेवा ट्रस्ट द्वारा श्री धाम अयोध्या में बड़े पैमाने पर श्री रामचरित मानस पाठ करने का संकल्प लिया गया है जिसके लिए 8अप्रैल को मुंबई से कई संस्था के प्रतिनिधि अयोध्या के ट्रेन द्वारा प्रस्थान करेंगे जिसकी विदाई देने स्वय महाराष्ट्र सरकार के सांस्कृतिक मंत्री सुधीर मनगंटीवार उपस्थिति रहेंगे,11, 12अप्रैल को सुग्रीव किला में देश भर के मानस मंडल श्रीरामचरितमानस पाठ करेंगे , पूर्णाहुति पर संतो, महंतो, संस्कृति के विद्यार्थियों के साथ साथ हजारों लोगों के लिए भंडारा आयोजित किया गया है, मानस परिवार सेवा ट्रस्ट मुंबई में करोना काल में,राशन वितरण हर वर्ष हजारों बच्चो को नोटबुक वितरित सहित तमाम सामाजिक कार्य करती है , बीमार व मृत्यु हुए मानस कलाकारों को आर्थिक सहायता देने का कार्य करती है। वहीं पर संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रमोद कुमार पांडेय ने कहा कि यह अखंड रामायण श्री राम चरित मानस पाठ का आयोजन श्री धाम अयोध्या

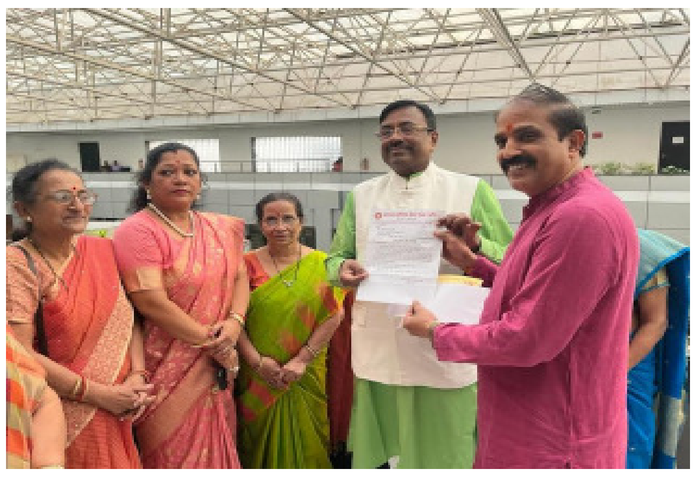

जी के मंदिर निर्माण और भारत को विश्व गुरु बनाने के लिए संकल्पबद्ध है जिसको लेकर हम सभी मानस प्रेमी और समस्त सनातनी हिन्दू धर्म के सहयोगी भक्त के सहयोग और स्नेह और प्यार आशिर्वाद से यह पुनीत कार्य करने के लिए अपने सहयोगी,पदाधिकारी व सैकड़ो कार्यकर्ताओं के साथ अयोध्या में 6 दिन मानस परिवार के साथ व्यतीत करेंगे।

पावर लूम मैकेनिक की रोहनिया में गला रेत कर की गई थी हत्या : 56 घंटे बाद पिता ने की शिनाख्त

वाराणसी ब्यूरो : वाराणसी के रोहनिया क्षेत्र के खुलासपुर नहर के पास सोमवार सुबह मिले शव की शिनाख्त करीब 56 घंटे बाद बुधवार को भरथरा गांव निवासी पावर लूम मैकेनिक सुनील मौर्य (30) के रूप में हुई। गला रेत कर हत्या की गई थी और शव को फेंक दिया गया था। शव की शिनाख्त होने के बाद पुलिस पंचनामा कर पोस्टमार्टम की कार्रवाई में जुट गई है। रोहनिया थाना क्षेत्र के खुलासपुर गांव में नहर के पास सोमवार सुबह 6:15 बजे एक युवक का रक्तरंजित शव मिला था। गला रेत कर हत्या की गई थी। सूचना पाकर पहुंची पुलिस शव की शिनाख्त नहीं करा सकी थी। युवक की शिनाख्त के लिए सोशल मीडिया के साथ ही क्षेत्र में जगह–जगह पोस्टर चस्पा किए गए थे। समाचार पत्रों में विज्ञापन भी प्रकाशित कराया गया था। हत्या की गुत्थी सुलझाना बड़ी चुनौती बुधवार दोपहर बाद युवक के पिता नंदू मौर्य ने रोहनिया थाने में संपर्क कर पुलिस को बताया कि उनके घर का है। हत्या क्यों की गई और शव खुलासपुर गांव में किसने फेंका,

इस संबंध में पुलिस की जांच जारी है। नंदू मौर्य ने बताया कि सुनील रविवार को दिन में तीन बजे घर से पैदल ही निकला था। वह पावर लूम मशीन बनाने बाहर जाता था तो दो–तीन दिन बाद ही वापस घर लौट कर आता था। दो दिन बाद भी वापस न आने पर उसकी खोजबीन शुरू की गई और तब जाकर पता लगा कि सुनील की हत्या हो गई है।

60 एकड़ गेहूं की फसल जलकर राख : भाजपा जिलाध्यक्ष समेत 42 किसानों की फसल जली

गोरखपुर ब्यूरो : गोरखपुर जिले के सिंहपुर से निकली आग की चिंगारी ने देवरिया जिले के कन्हौली गांव में जमकर तांडव मचाया। आग की चपेट में आने से भाजपा जिलाध्यक्ष समेत 42 किसानों के खेत में खड़ी गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। आग की लपटों को देख अगल बगल गांव के किसान परेशान रहे। आग से करीब 60 एकड़ गेहूं की जलकर जलकर नष्ट हो गई। फायर बिग्रेड और गांव वालों के प्रयास से आग पर काबू पाया जा सका। बुधवार की दोपहर सिंहपुर गांव के ब्रम्हस्थान के करीब एक खेत में आग पकड़ लिया। पछुआ हवा के झोंकों से आग देवरिया जिले के सरेह में पहुंच गई। देखते ही देखते किसानों की फसल धूं–धूं कर जलने लगी। आग की लपटों को देख कई गांव के किसान आग बुझाने को दौड़ पड़े। आबादी के करीब आग पहुंचता देख लोग सहम गए। करीब एक घंटे तक आग ने तबाही मचाई। आग से भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. अर्न्तयामी सिंह, बलवंत यादव, लीलावती देवी, अरुण प्रताप सिंह, रामअवध यादव, अनिल, मुकेश विश्वकर्मा, आत्मा तिवारी, पप्पू सिंह, अशोक सिंह, मुक्तेश्वर सिंह, अजीत प्रताप सिंह, महाप्रताप सिंह आदि किसानों की फसल जल गई। गोरखपुर और देवरिया जिले से पहुंची फायर बिग्रेड ने आग पर काबू पाया। एसडीएम ध्रुव कुमार शुक्ला ने राजस्व टीम के साथ आग से हुई क्षति का जायजा लिया। उन्होंने लेखपालों से आग से नुकसान की रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा है। छुट्टा पशु और बारिश से बचाया, अब आग ने छी ली गाढ़ी कमाई आंखों के

सामने खेत में पक कर तैयार गेहूं की फसलों को जलता देख किसानों की आंखें भर आईं। एक सप्ताह पहले बारिश और तीन महीने छुट्टा पशुओं से फसल बचा कर रखने के बाद जब खेत में आग लगी तो किसान बदहवास हो गए। किसान बलवंत यादव, अनिल विश्वकर्मा, मुकेश, पप्पू सिंह, अजीत प्रताप ने कहा कि गेहूं की बुआई के साथ ही फसल बचान के लिए दिन रात खेतों में रखवाली की गयी। एक सप्ताह पहले बारिश से पैदावार भी प्रभावित हुई। घर में गेहूं आने की उम्मीद बनी थी, लेकिन आग ने सामने आया हुआ निवाला छीन लिया। भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. अर्न्तयामी सिंह ने प्रशासन से कंबाइन मशीनों के साथ भूसा बनाने वाले मशीनों को चलाने की मांग की। उन्होंने कहा कि खेत में पड़े डंठल से आग लगने की संभावना प्रबल हो जा रही है। ऐसे में प्रशासन कंबाइन के साथ रीपर चलाने की अनुमति दे, ताकि लोग खेतों में रहकर जल्द से जल्द गेहूं और भूसा बनाने का कार्य करा सके। खेत में डंठल छोड़ने से कई जगहों पर आग लग जा रहा।

हाईवे पार कर रहे डंपर में पीछे से डीसीएम ने मारी टक्कर : चालक की मौत परिचालक घायल

कानपुर ब्यूरो : जालौन जिले के आटा में देर रात करीब 11 बजे मौरंग लदा डंपर हाईवे पार कर रहा था। तभी कानपुर की तरफ से आ रही डीसीएम ने डंपर में पीछे से टक्कर मार दी। जिससे डीसीएम चालक की घटनास्थल पर मौत हो गई, परिचालक डीसीएम में फंस गया। जानकारी पाकर पहुंची पुलिस ने चालक के शव को कब्जे में लेकर घायल को इलाज के लिए एम्बुलेंस से उरई अस्पताल भेजा। मंगलवार देर रात एक डंपर आटा की तरफ से मौरंग लादकर जैसे ही हाईवे पर चढ़ा कानपुर की तरफ से आ रही तेज रफ्तार डीसीएम ने डंपर में पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि डीसीएम का आगे का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया और डीसीएम के चालक व परिचालक केबिन में फंस गए। हादसे में डीसीएम चालक 26 वर्षीय मोहम्मद साहिल पुत्र ख्वाजा निवासी रास्तपुर जिला कानपुर देहात की घटना स्थल पर मौत हो गई। परिचालक करनवीर (23) डीसीएम की केबिन में फंस गया। जिसको पुलिस व राहगीरों ने जेसीबी से निकालकर घायल अवस्था में एम्बुलेंस से उरई अस्पताल भेजा। घटना से मौके पर हड़कंप मच गया। जानकारी पर पहुंची पुलिस ने चालक के शव को कब्जे में लेकर घायल को उरई अस्पताल भेजा। घटना से करीब आधा घंटे तक एक तरफ का यातायात बाधित हो गया। पुलिस ने क्षतिग्रस्त डीसीएम को हाईवे से हटाकर बाधित यातायात सुचारू रूप से चालू कराया।

समाजवादी पार्टी के युवा नेताओं ने कार्यालय पार्टी से शुरू की साइकिल यात्रा

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।समाजवादी पार्टी के युवा नेता नरेंद्र यादव निवासी डोभियारा मिल्कीपुर ने आज समाजवादी पार्टी कार्यालय गुलाब बाड़ी से साइकिल यात्रा की शुरुआत की । साइकिल यात्रा को रवाना करते हुए पूर्व मंत्री आनंद सेन यादव ने कहा कि नौजवान नेता नरेंद्र यादव साइकिल यात्रा के माध्यम से पूरे प्रदेश में

समाजवादी पार्टी की नीतियों को जन–जन तक पहुंचाएंगे ।उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार में किए गए कार्य मील का पत्थर साबित हुए हैं सरकार द्वारा किए गए कार्यों को जन–जन तक पहुंचाना प्राथमिकता होनी चाहिए ।पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे पवन ने कहा कि जब भी नौजवान सड़क पर उतरता है तो परिवर्तन होकर रहता है। श्री पांडे ने कहा कि भाजपा सरकार से आम जनमानस त्रस्त है महंगाई भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है ।सपा जिलाध्यक्ष पारसनाथ यादव ने कहा कि नरेंद्र यादव ने जो साइकिल यात्रा निकाली है इससे पूरे प्रदेश में सपा के पक्ष में माहौल बनेगा ।निवर्तमान महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव ने कहा कि नौजवान की साइकिल यात्रा से पूरे प्रदेश में सपा सरकार के पक्ष में माहौल बनेगा इस अवसर पर मुख्य रूप से महासचिव हामिद जाफर मीसम चौधरी बलराम यादव मो हलीम पप्पू संजय यादव ननकन यादव जेपी यादव पंकज पांडे अंसार अहमद बब्बन डॉ अनुराग यादव रोहित यादव भललू रत्नाकर दुबे सुरेश कुमार बबलू अजीत कुमार राम उजागर उमेश यादव सुनील कुमार अंगद यादव जगन्नाथ यादव राकेश यादव साईं यादव आदि लोग मौजूद रहे।

पारिवारिक विवाद से तनाव में आकर युवक ने फांसी लगा दी जान

कानपुर ब्यूरो : कानपुर के चकेरी जगई पुरवा आनंदनगर में पारिवारिक विवाद से उपजे मानसिक तनाव में आकर मंगलवार देर रात छज्जे के कुंडे के सहारे एक युवक ने फांसी लगा ली। बुधवार सुबह पत्नी ने शव देख पुलिस को सूचना दी। पुलिस उसे नीचे उतारकर कांशीराम अस्पताल ले गई। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित किया। इसके बाद परिजन एक दूसरे पर गंभीर आरोप लगाकर मारपीट करने लगे। पुलिस ने उन्हें समझाकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतक के पिता दिनकर ने बताया कि बेटा अभयराज (20) शिव कटरा स्थित एक

ऑटोपार्ट्स की दुकान में काम करता था। बताया कि बेटे ने 12 मार्च को रंजना से प्रेम विवाह किया था। रंजना के शादी के पहले ही दो बच्चें थे। इस बाद को लेकर मेरी पत्नी रानी देवी बेटे अभयराज और बहू रंजना नाखुश रहती थी। बताया कि अभय ने 30–30 हजार के चार लोन भी ले रखे थे। जिस कारण से वह आर्थिक समस्या से परेशान चल रहा था। इस दौरान दिनकर ने आरोप लगाया कि पत्नी रानी देवी ने कुछ दिनों पहले अभयराज पर घर से रुपये चोरी करने का आरोप लगाकर पुलिस से शिकायत भी की थी। जिसपर चकेरी चौकी पुलिस ने उसे बंद कर मारा था। दिनकर का आरोप है कि चौकी में सूदखोरों ने भी बेटे को पीटा था। साथ ही महिला होमगार्ड से बेटे की पत्नी रंजना को भी मरवाया था। जिस कारण से अभयराज मानसिक तनाव में भी था। मंगलवार देर रात उसने कमरे के बाहर ताड़ में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सुबह पत्नी ने शव लटकता देखा तो जानकारी हुई। जिसके बाद पत्नी ने पुलिस को सूचना दी।

सम्पादक मंडल

श्री शिवशंकर द्विवेदी संयुक्त सचिव (सेवा निवृत्त) उ0प्र0 शासन, लखनऊ, पं. लाल साहब उपाध्याय (सत्यवेदानन्द जी), बाबा शक्ति नाथ (ज्योतिषाचार्य)श्री विजय कुमार तिवारी, श्री दीपचन्द्र मौर्य (एडवोकेट), श्री सुभाष चन्द्र सेठ,श्री ऋषिकेश द्विवेदी, श्री शिवशंकर तिवारी

प्रमुख कार्यालय– हिन्दी साप्ताहिक " देश की उपासना"

पता–ई 3464,राजाजी पुरम्(निकट मिनी स्टेडियम) लखनऊ उ0प्र0

लखनऊ सम्पादक– श्री पी0सी0श्रीवास्तव मों0 9415545107

स्वात्वाधिकारी की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव पत्नी श्री प्रभुदयाल श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

सह सम्पादक

श्रीमती हेमा त्रिपाठी

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/**R-1**

deshkiupasanadailynews@gmail.com

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है,समाचार पत्र में प्रकाशित लेख/समाचारों से सम्पादक की सहमति अनिवार्य नही

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।